



खबरे हमारी, विश्वास आपका

संक्षिप्त खबरें

राज्य के सभी स्थानों पर 26 से 29 जुलाई तक बारिश होने की संभावना

रांची। राजधानी रांची सहित झारखंड के सभी स्थानों में 26 से 29 जुलाई तक बारिश होने की प्रबल संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। विभाग के अनुसार निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के कारण आने वाले दिनों में राज्य में अच्छी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया है कि 27 जुलाई तक राज्य के विभिन्न स्थानों पर गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। इसे लेकर विभाग की ओर से येल्डो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के गुडाबांधा में 57.4 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान दुमका में 32.6 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 20.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और हल्की बारिश दर्ज की गई। हल्की बारिश होने से मौसम में ठंड महसूस की गई और सुहाना बना रहा।

पीएलएफआई के दो नक्सली हथियार के साथ गिरफ्तार

लातेहार। एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने बालूमाथ थाना क्षेत्र के मकईघाटांड के पास छापेमारी अभियान चलाकर पीएलएफआई के दो नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार नक्सलियों में संजय सिंह और मोहम्मद शहजाद शामिल हैं। दोनों लोहरदगा के रहने वाले हैं। पुलिस ने उनके पास से एक पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूस सहित चोरी की एक बाइक बरामद की है। जानकारी देते हुए डीएसपी उमेश कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के उग्रवादी चंदवा की ओर से बाइक से बालूमाथ आ रहे हैं और किसी हिंसक घटना को अंजाम देने की तैयारी में हैं। सूचना के बाद पुलिस की विशेष टीम का गठन कर छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने बालूमाथ थाना क्षेत्र के मकईघाटांड पुलिस पिकेट के पास वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान चंदवा की ओर से आ रहे बाइक सवार दो सड़ियत युवकों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन जवानों ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देशी पिस्टल, जिंदा गोलियां और चोरी की बाइक बरामद हुई। पूछताछ में दोनों ने खुद को पीएलएफआई का सदस्य बताते हुए स्वीकार किया कि संगठन के कमांडर बाबू देव नंदीश्वर पर वे बालूमाथ और बरियातू क्षेत्र में दहशत फैलाने और लेवी वसूली के उद्देश्य से हिंसक घटना को अंजाम देते आए थे।

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा, कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर संसद के दोनों सदनों में गुरुवार को विपक्ष का हंगामा लगातार जारी रहा। पहले एक बार स्थगन के बाद 12 बजे कार्यवाही शुरू हुई लेकिन विपक्षी सांसदों ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने कार्यवाही शुरू कराई। जैसे ही सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई, विपक्षी सदस्य अपनी सीटों से उठकर नारेबाजी करने लगे। विपक्षी सदस्यों ने शिक्षामंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।



संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने सदन में विपक्ष को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार नीट पेपर लीक मामले पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि विपक्ष जैसा चाहता है वैसी चर्चा करे। एक दिन, दो दिन, जितना समय चाहिए उतना ले। हम उनसे हाथ जोड़कर निवेदन करते हैं कि चर्चा करें। लेकिन चर्चा की मांग में अनावश्यक शरतें जोड़कर उलझाएं

नहीं। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी स्पष्ट कर दिया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने नीट पेपर लीक मामले में दोषियों को सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का आदेश दिया है। देश के छात्रों के साथ किसी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारे युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो, इसके

लिए चर्चा होना जरूरी है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि सदन की कार्यवाही बाधित करने के बजाय चर्चा में भाग लें। रिजिजू ने कहा कि सरकार छात्रों की हर चिंता सुनने और उसका समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने विपक्षी सदस्यों से शांत होकर अपनी जगह पर बैठने और चर्चा में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि बार-बार सदन को न चलने देना उचित नहीं है और यह संसद की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। लेकिन विपक्षी सदस्य नारेबाजी पर अड़े रहे, जिसके चलते कार्यवाही दोबारा 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। इसी तरह राज्यसभा में भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा

संसद के मकर द्वार पर विपक्ष का प्रदर्शन, धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े सांसद

नई दिल्ली। नीट प्रश्नपत्र लीक और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने आज संसद परिसर के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, राजीव रंजन ह्यपमू यादव, धर्मेन्द्र यादव, रामगोपाल यादव समेत तमाम विपक्षी सांसद इस विरोध में शामिल हुए। विपक्षी सांसदों ने हाथों में बड़े पोस्टर ले रखे थे, जिन पर लिखा था, 'लोकतंत्र मर रहा है'। साथ ही इन सांसदों ने 'धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दे' के नारे लगाए। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर लिखा कि विपक्षी सांसद देश के युवाओं के लिए एकजुट होकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पूरी तरह घबराई हुई है और अपनी छवि बचाने के लिए झूठ और धमकियों का सहारा ले रही है। विपक्ष अपनी मूल मांगों से पीछे नहीं हटेगा, जिसकी शुरुआत केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे से होती है।



किया। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति सीपी राधाकृष्णन से कहा कि सरकार को शिक्षा मंत्री

का इस्तीफा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ है, कई लोग अस्पतालों में भर्ती हैं

और अभिभावक परेशान हैं। जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देंगे, चर्चा नहीं होने दी जाएगी।

पेपर लीक के दोषियों को जल्द कठोर दंड देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन करेंगे: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) पेपर लीक मामले को लेकर हो रहे व्यापक प्रदर्शनों के बीच सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए कहा है कि पेपर लीक के दोषियों को जल्द कठोर दंड देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वयं इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। श्री मोदी ने सोशल मीडिया



प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, मामले के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। इस संबंध

में निर्देश दे दिए गये हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक महत्वपूर्ण कदम है। श्री मोदी ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने

सरकार वार्ता को तैयार, आंदोलनकारी छात्र आवास या कार्यालय पर आए : नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे छात्रों से सरकार बातचीत के लिए तैयार है। इसके लिए छात्रों को उनके आवास या फिर कार्यालय आना होगा। संसद परिसर में जेपी नड्डा ने कहा, हां, हम तैयार हैं। हमारे घर या हमारे आधिकारिक कार्यालय आ जाइए। वहीं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ये स्पष्ट कर दिया है कि जो दोषी हैं उन पर फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर कड़ी सजा दी जाएगी। हमारा कांग्रेस और विपक्ष से अनुरोध है कि इस विषय का राजनीतिकरण ना करें। भागें मत, चर्चा कीजिए। कांक्रोच जनता पार्टी के नेताओं ने 20 जुलाई को जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की थी और उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद बुधवार को दोबारा बातचीत के लिए आमंत्रित करने पर सीजेपी नेताओं ने कहा था कि वह उनके आवास या कार्यालय पर नहीं जाएंगे बल्कि किसी अन्य स्थान पर बातचीत के लिए तैयार हैं। इसके पहले, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि आंदोलनकारी छात्रों से सरकार कहीं भी बातचीत के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री से खेल सचिव, खेल निदेशक और मेजर जनरल ने की मुलाकात



रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मुकेश कुमार, खेल निदेशक छवि रंजन, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-23 आईबीजी मेजर जनरल सज्जन सिंह मान, ड्रग्स कप के नोडल अधिकारी कर्नल हेम चंद्रा तथा सहायक नोडल अधिकारी मेजर आनंद

प्रकाश ने कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को रांची में 26 जुलाई 2026 से आयोजित होने वाले 135वें संस्करण ड्रग्स कप-2026 के उद्घाटन समारोह एवं उद्घाटन मैच में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

कोडरमा में विस्फोटक तस्करी मामले में एनआईए की कार्रवाई, दो आरोपित गिरफ्तार, 1,662 डेटोनेटर बरामद

बिभा संवाददाता

कोडरमा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कोडरमा जिले में अवैध विस्फोटकों के भंडारण और परिवहन से जुड़े मामले में चार स्थानों पर छापेमारी कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान 1,662 अवैध गैर-विद्युत (नॉन-इलेक्ट्रिक) डेटोनेटर, पांच डिजिटल उपकरण और 16 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। एनआईए ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान महेश मेहता और शंकर यादव के रूप में हुई है। जांच में दोनों की भूमिका अवैध रूप से विस्फोटकों का भंडारण करने और उन्हें सह-



आरोपितों तक पहुंचाने की साजिश में सक्रिय रूप से शामिल होने की सामने आई है। एजेंसी के अनुसार, उनकी गतिविधियों से लोगों के जीवन और संपत्ति को गंभीर खतरा उत्पन्न हुआ। यह कार्रवाई वर्ष 2024 में झारखंड

के सालतौरा क्षेत्र में मोटरसाइकिल पर विस्फोट की घटना से जुड़े मामले में की गई। एजेंसी ने बताया कि इससे पहले इस मामले में तीन अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका

है। जांच के अनुसार, यह मामला उस विस्फोट से जुड़ा है जिसमें अवैध रूप से विस्फोटक ले जाते समय जॉयदेब मंडल उर्फ बबलू मंडल नामक आरोपित की मौत हो गई थी। बाद की जांच में एनआईए ने अवैध रूप से बिना वैध लाइसेंस के विस्फोटकों की खरीद, भंडारण और परिवहन से जुड़े आपराधिक षड्यंत्र का खुलासा किया। एनआईए के अनुसार, जांच में विस्फोटकों के भंडारण और परिवहन के लिए संचालित एक गुप्त नेटवर्क का भी पता चला है। एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि ये विस्फोटक कहाँ से लाए गए थे और इन्हें किस स्थान तक पहुंचाया जाना था।

रांची। जगन्नाथपुर मंदिर धुर्वा के ऐतिहासिक घूरती रथ यात्रा महोत्सव-2026 का आयोजन 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जाएगा। जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति ने महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। समिति की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञापन में बताया कि घूरती रथ यात्रा महोत्सव की शुरुआत 25 जुलाई सुबह पांच बजे सुप्रभातमा से होगी। इसके बाद सुबह छह बजे आरती एवं भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के दर्शन कराए जाएंगे।



सुबह आठ बजे अन्न-भोग अर्पित किया जाएगा। दोपहर 2:50 बजे दर्शन बंद होने के बाद श्री सुदर्शन चक्र, गरुड़ जी, लक्ष्मीनरसिंह, भगवान बलभद्र, माता सुभद्रा और भगवान श्री जगन्नाथ को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रथ पर विराजमान किया जाएगा। इसके उपरांत विशेष पूजन, विष्णु

लक्षार्चना, स्तोत्र पाठ, आरती और श्री जगन्नाथ अष्टकम का आयोजन होगा। शाम चार बजे घूरती रथ यात्रा प्रारंभ होकर शाम 5 बजे मुख्य मंदिर परिसर पहुंचेगी। इसके बाद शाम पांच से छह बजे तक महिलाओं के लिए रथ पर विशेष दर्शन की व्यवस्था की गई है। शाम छह बजे विग्रहों को रथ से उतारकर मुख्य मंदिर में स्थापित किया जाएगा। रात आठ बजे 108 दीपों की मंगल आरती,विशेष भोग और हरिशयनम के साथ महोत्सव का समापन होगा। मंदिर न्यास समिति ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

जेपीएससी परीक्षा घोटाले की जांच तेज, पूर्व चेरयमैन एल खियांग्ते के घर सीआईडी का छापा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा परिणाम में कथित गड़बड़ी की जांच अब पूर्व अध्यक्ष तक पहुंच गई है। गुरुवार को अपराध अनुसंधान विभाग सीआईडी की टीम जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव रह चुके एल खियांग्ते के आवास पर पहुंची। टीम ने उनके घर की तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की भी तैनाती की गई। उल्लेखनीय है कि सीआईडी 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा परिणाम में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है। इसी सिलसिले में पहले भी कई स्थानों पर छापेमारी की जा चुकी है

और महत्वपूर्ण दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं, अब जांच की कड़ी पूर्व अध्यक्ष के आवास तक पहुंचने को इस मामले में अहम कदम माना जा रहा है। इस मामले में सीआईडी अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें जेपीएससी की तत्कालीन डिप्टी कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन श्वेता कुमारी गुप्ता, टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक रामवीर सिंह, कंपनी के कर्मचारी प्रशांत कुमार, अभिषेक कुमार और अजय कुमार शामिल हैं। जांच एजेंसी ने उनके पास से पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, कंप्यूटर और कई अहम दस्तावेज भी जब्त किए हैं, जिनकी फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है।

दक्षिण पूर्व रेलवे में निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन-मिदनापुर के बीच तीसरी लाइन को मंजूरी, 440 करोड़ रुपये होंगे खर्च

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे के निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन और मिदनापुर के बीच 14.52 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन के निर्माण को मंजूरी दे दी है। 440 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना ज्यादा इस्तेमाल होने वाले नेटवर्क पर यात्री और मालवाहकों के परिचालन को अधिक सुगम बनाने के साथ-साथ माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह परियोजना भारतीय रेलवे की उच्च



घनत्व वाले रेल मार्गों पर क्षमता विस्तार की योजना का हिस्सा है। इसका उद्देश्य बढ़ती यात्री और माल परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करना, परिचालन क्षमता में सुधार करना तथा उद्योगों और आवश्यक वस्तुओं की निर्याद अपूर्ति सुनिश्चित करना है।

मंत्रालय के अनुसार, प्रस्तावित तीसरी लाइन दक्षिण पूर्व रेलवे के निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन से मिदनापुर तक 14.52 किलोमीटर लंबी होगी। यह खंड हाई यूटिलाइजेशन नेटवर्क (एचयूपन-2) का हिस्सा है। वर्तमान में निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन-

गोकुलपुर खंड एकल रेल लाइन है, जबकि इसके दोहरीकरण का कार्य पहले से जारी है। तीसरी लाइन बनने से इस रणनीतिक रेल मार्ग की क्षमता और परिचालन लचीलापन काफी बढ़ जाएगा। इस रेल मार्ग पर यात्री ट्रेनों के साथ-साथ मैंगनीज, लौह अयस्क, कंटेनर, कोयला, क्लैंकर, पेलेट आयरन, इस्पात, गेहूं, पत्थर, स्लीपर, स्लेग, नमक, चावल, पेट्रोलियम उत्पाद, चूना पत्थर, जिप्सम, उर्वरक, खाद्य तेल, सीमेंट और अन्य आवश्यक वस्तुओं का बड़े पैमाने पर परिवहन होता है। इस

मार्ग पर वर्तमान में लगभग 23.80 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) माल ढुलाई होती है। रेल मंत्रालय ने बताया कि इस खंड पर लाइन क्षमता का उपयोग 115.71 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, जिससे यहां अत्यधिक दबाव की स्थिति बनी हुई है। तीसरी लाइन के निर्माण से इस थ्रीडब्ल्यू में कमी आएगी, यात्री और मालगाड़ियों का संचालन अधिक सुचारु होगा तथा नेटवर्क की विश्वसनीयता बढ़ेगी। परियोजना पूरी होने के बाद इस मार्ग पर प्रतिवर्ष अतिरिक्त 3.52 मिलियन टन

माल ढुलाई की क्षमता विकसित होगी। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और अन्य आवश्यक वस्तुओं के परिवहन को गति मिलेगी, परिचालन संबंधी बाधाएं कम होंगी तथा उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों को बेहतर रेल संपर्क का लाभ मिलेगा। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह परियोजना भारतीय रेलवे की क्षमता विस्तार और आधुनिक, दक्ष तथा भविष्य के लिए तैयार रेल नेटवर्क विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एसआईआर कार्य में लापरवाही पर भड़के उपायुक्त, कई अधिकारियों को शोकाँज, दो का रोका वेतन

शिभा संवाददाता
रांची : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत शेष 6 दिनों में गणना प्रपत्र के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को मिशन मोड में कार्य करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।



समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में आयोजित बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी EROs/AEROs से विधानसभावार गणना प्रपत्र के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन के साथ-साथ एसडीडी सूची एवं प्रोसीडिंग्स की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। जिन मतदान केंद्रों पर कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई,

वहां तत्काल गति बढ़ाते हुए समयबद्ध तरीके से शत-प्रतिशत वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देश दिया कि अगले 6 दिनों तक सभी बीएलओ सुपरवाइजर को लगातार गणना प्रपत्र के वितरण, संग्रहण एवं

डिजिटाइजेशन कार्य में बीएलओ के साथ सक्रिय रूप से संलग्न रखा जाए, ताकि कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए और लक्ष्य समय पर पूरा हो सके। बैठक में कार्य की धीमी प्रगति पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समयसीमा सर्वोच्च

प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की हिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। गणना प्रपत्र के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन में असंतोषजनक प्रदर्शन पर एई आर ओ-सह-अंचलाधिकारी (रातू) रवि कुमार, अंचलाधिकारी चान्हो, अंचलाधिकारी हेहल एवं एएमसी चन्द्र दीप कुमार को शोकाँज जारी करने का निर्देश दिया गया। वहीं, बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर एईआरओ बुंदू एवं अंचलाधिकारी बड़गाई

को शोकाँज जारी करने के साथ-साथ उनका वेतन रोकने का निर्देश भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 निर्वाचन प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने बीएलओ सुपरवाइजरों की शिकायतों पर उनके विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई करने तथा 50 प्रतिशत से कम डिजिटाइजेशन करने वाले बीएलओ को शोकाँज जारी करने के निर्देश भी दिए।

बारिश के बाद चुरी कॉलोनी में बड़ा खतरा: जर्जर सीसीएल क्वार्टर की दीवार ढही, पड़ोसी परिवार पर मंडरा रहा हादसे का साया

शिभा संवाददाता
खलारी। सीसीएल के एनके क्षेत्र अंतर्गत चुरी कॉलोनी में जर्जर आवासों की बदहाली अब लोगों की जान पर बन आई है। हाल ही में हुई बारिश ने वर्षों से खाली पड़े एमक्यू-40 क्वार्टर की जर्जर बाउंड्री वॉल को पूरी तरह ढहा दिया। दीवार गिरने के बाद ईंटों और मलबे का ढेर लग गया, जिससे आसपास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। सबसे चिंताजनक स्थिति एमक्यू-40 से सटे एमक्यू-41 की है, जहां सीसीएल कर्मी संजय महतो अपने परिवार के साथ रहते हैं। बारिश के कारण उनके क्वार्टर की बाउंड्री वॉल भी खतरनाक तरीके से झुक गई है। परिवार हर दिन भय के माहौल में जीने को मजबूर है। उनका कहना है कि कब यह दीवार भरभराकर गिर जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में हर पल किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चुरी कॉलोनी में कई सीसीएल क्वार्टर वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़े हैं, लेकिन उनका



मरम्मत या ध्वसीकरण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बरसात के मौसम में कमजोर दीवारें और भवन कभी भी ढह सकते हैं, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है। बाउंड्री वॉल पूरी तरह टूटकर जमीन पर बिखर चुकी है, जबकि आसपास की दीवारों में भी दरारें साफ दिखाई दे रही हैं। इसके बावजूद अब तक सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। स्थानीय लोगों और प्रभावित परिवार ने सीसीएल प्रबंधन से मांग की है कि एमक्यू-40 के जर्जर हिस्से को तत्काल हटाया जाए, एमक्यू-41 की झुकी हुई बाउंड्री वॉल की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा चुरी कॉलोनी के सभी जर्जर क्वार्टरों का सर्वे कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में किसी बड़े हादसे की पूरी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

झारखंड के पर्यटन विकास को मिली केंद्र सरकार की योजनाओं की मजबूती

शिभा संवाददाता
रांची : झारखंड से राज्यसभा सांसद परिमल नथवानी द्वारा पृष्ठे गए एक अंतरा्राकित प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि पर्यटन स्थलों एवं पर्यटन उत्पादों का विकास तथा उनका प्रचार-प्रसार मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों तथा केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन का दायित्व है। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं- स्वदेश दर्शन , स्वदेश दर्शन 2.0 , स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत चैलेंज बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट तथा तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) के माध्यम से राज्यो एवं केंद्र शासित प्रदेशों को परियोजना प्रस्ताव, योजना दिशा-निर्देशों तथा न्धियों की उपलब्धता के अनुसार पर्यटन अवसररचना विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि झारखंड में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत वर्ष 2018-19 में बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर के विकास के लिए 36.79 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत की गई थी। इस परियोजना के लिए राज्य कार्यान्वयन एजेंसी को 34.95 करोड़ रुपये की राशि उपयोग हेतु अधिकृत की गई है। श्री शेखावत ने कहा कि पर्यटन मंत्रालय घरेलू एवं वैश्विक दोनों स्तरों पर झारखंड सहित भारत के पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विभिन्न पहलों, आयोजनों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर प्रचार-प्रसार कर रहा है।

इटकी प्रखंड के गुलाम टोली मदीना मस्जिद की बदहाल सड़क

इटकी(बिभा) : मांडर विधानसभा क्षेत्र के इटकी प्रखंड स्थित गुलाम टोली में आज भी ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के अभाव में कठिन जीवन जीने को मजबूर हैं। गाँव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग पिछले कई दशकों से जर्जर है। बरसात के दिनों में यह सड़क पूरी तरह जलमग्न हो जाती है, जिससे ग्रामीणों, महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ता है। इसी मार्ग पर मदीना मस्जिद और मदरसा स्थित हैं, जहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे शिक्षा के लिए आते हैं। बारिश के मौसम में उन्हें भी इसी जलभराव वाले रास्ते से गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। ग्रामीणों ने झारखंड सरकार और संबंधित अधिकारियों से शीघ्र सड़क निर्माण कराकर क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।



राजनगर में 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम निर्माण कार्य का शिलान्यास

राजनगर(बिभा) । किसानों को अनाज के बेहतर भंडारण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक चम्पाई सोरेन ने राजनगर लैम्पस में 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर चम्पाई सोरेन ने कहा कि इस गोदाम के निर्माण से किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने की आधुनिक सुविधा मिलेगी। इससे उन्हें फसल को उचित समय तक सुरक्षित भंडारित करने और बेहतर मूल्य मिलने पर बिक्री करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की आधारभूत सुविधाओं का विकास कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारियों ने बताया कि 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले इस गोदाम का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप करया जाएगा तथा इसे चार माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्यक्रम में मुखिया राजो टुद्दू, सानंद आचार्या, दिलीप राउत, सुराई मुर्मु, मनसुख कुजूर, राकेश सतपति, गोरा सतपति, डोबरा देवगम, कृष्णा माडी, विक्रम माडी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं किसान उपस्थित रहे। सभी ने इस परियोजना को क्षेत्र के कृषि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।



चम्पाई सोरेन ने राजनगर के ग्राम बांदुवा को दी उप स्वास्थ्य केंद्र की सौगात

राजनगर(बिभा) । ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ग्राम बांदुवा में उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक चम्पाई सोरेन ने विधिवत भूमि पूजन कर किया। इस अवसर पर चम्पाई सोरेन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से बांदुवा एवं आसपास के गांवों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी। इससे लोगों को सामान्य उपचार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना समय की आवश्यकता है और सरकार इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। उप स्वास्थ्य केंद्र बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उनका समय और खर्च दोनों की बचत होगी। पूर्व सीएम ने इस मौके पर राज्य सरकार की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में सरायकेला में एक बड़ा 100 बेड का अस्पताल बनवाया था, जिसका भवन डेढ़ साल से बन कर तैयार है, लेकिन सरकार उसे शुरू ही नहीं करना चाहती है। इस कार्यक्रम में मुखिया राजो टुद्दू, दिलीप राउत, लिपू मोहंती, सानंद आचार्या, कर्मू पान, सुराई मुर्मु, मनसुख कुजूर, राकेश सतपति, गोरा सतपति, डोबरा देवगम, कृष्णा माडी, विक्रम माडी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।



हेंदगिर-बुड़मू में कोयला तस्करोँ पर सीआईएसएफ का शिकंजा

500 किलो अवैध कोयला व बिना नंबर की बाइक जब्त

शिभा संवाददाता
खलारी/पिपरवार। कोयला क्षेत्रों में सक्रिय अवैध खनन और तस्करी के खिलाफ सीआईएसएफ का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। गुरुवार को सीसीएल एनके एवं पिपरवार यूनिट की टीम ने हेंदगिर-बुड़मू क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से घात लगाकर कार्रवाई की और अवैध परिवहन के लिए रखे गए करीब 500 किलोग्राम कोयले के साथ बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल जब्त कर ली। हालांकि कार्रवाई की भनक लगते ही तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। जब्त सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बुड़मू थाना को सौंप दिया गया है। सीआईएसएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि हेंदगिर-बुड़मू इलाके में अवैध रूप से निकाले गए कोयले को मोटरसाइकिल के माध्यम से खपाने की तैयारी चल रही है। सूचना के सत्यापन के बाद टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर घात लगाई। जैसे ही सदिश गतिविधि दिखाई दी, जवानों ने कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान तस्कर अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले, लेकिन कोयला और बाइक छोड़ गए। यह अभियान उप कमांडेंट दिनेश कुमार और सहायक कमांडेंट हर्ष लवानिया के निर्देशन में चलाया गया। अभियान का नेतृत्व निरीक्षक संतोष सिन्हा ने किया, जबकि उप निरीक्षक अनिल



रोहिणी जंगल में अवैध कोयले का जखीरा जब्त

खलारी। कोयलांचल में अवैध कोयला खनन और तस्करी के खिलाफ सीआईएसएफ का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। गुरुवार को सीआईएसएफ की सीसीएल एनके एवं पिपरवार इकाई ने रोहिणी जंगल क्षेत्र में छपेमारी कर बड़ी मात्रा में अवैध कोयला बरामद किया। जब्त कोयले को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर एक्ट) के तहत अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया। सीआईएसएफ द्वारा चलाया गया यह अभियान सहायक कमांडेंट मनोहर बरवाहा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। अभियान में निरीक्षक (कार्यपालक) रश्मि, निरीक्षक पंकज झा सहित सीआईएसएफ के अधिकारियों एवं जवानों ने रोहिणी जंगल से सटे संवेदनशील क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान झाड़ियों और जंगल के भीतर छिपाकर रखा गया अवैध कोयला बरामद किया गया। कमांडेंट ने आम लोगों से अपील की कि वे अवैध कोयला खनन, चोरी और तस्करी जैसी गतिविधियों से दूर रहें तथा ऐसी किसी भी सूचना की जानकारी तुरंत सीआईएसएफ या प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा के लिए भविष्य में भी इसी तरह के सघन अभियान लगातार जारी रहेंगे।



कुमार सहित सीआईएसएफ के कई जवान कार्रवाई में शामिल रहे। सीआईएसएफ कमांडेंट अमित कुमार ने कहा कि कोयला क्षेत्रों में

गढ़गांव विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन, धुरे उरांव बने अध्यक्ष

बिभा संवाददाता
इटकी : राजकीय उत्कृष्टित उच्च विद्यालय गढ़गांव में गुरुवार को मुखिया रजनी उरांव की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति (वीएमसी) के पुनर्गठन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका, शिक्षक-शिक्षिकाएं, ग्रामीण अभिभावक एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से धुरे उरांव को विद्यालय प्रबंधन समिति का नया अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर चचगुरा ग्राम प्रधान सुखदेव उरांव एवं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने समिति के सफल संचालन के लिए पुनर्गठन का आभार व्यक्त कर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय के समुचित संचालन, शैक्षणिक



गुणवत्ता में सुधार एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सक्रिय विद्यालय प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बैठक को संबोधित करते हुए मुखिया रजनी उरांव ने विद्यालय के विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपने निजी फंड से आरओ (वाटर प्यूरीफायर) उपलब्ध कराने की घोषणा की। उनके इस निर्णय का उपस्थित ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। बैठक में विद्यालय

के विकास, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर पूर्व समिति अध्यक्ष मंती कच्छप, खट्टी उरांव, शिक्षक महेश पंडित, एडित तिकी, निर्मला केर-केट्टा, मुनेश कुमार, शिवप्रताप उरांव, हेल्मिना कुजूर, संगीता सिन्हा, राजकिशोर मुंडा सहित दर्जनों अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

डीपीएस रांची का बड़ा कदम: आईआईटी धनबाद संग एआई और रोबोटिक्स शिक्षा के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

बिभा संवाददाता
रांची : भविष्य उन्मुख शिक्षा को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेल टाउनशिप, रांची ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-आईएसएम), धनबाद के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह ऐतिहासिक सहयोग कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई), वर्चुअल रियलिटी (वीआर), रोबोटिक्स, नवाचार तथा भविष्य के कौशल आधारित शिक्षा के क्षेत्रों में विद्यार्थियों के समग्र विकास के

उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यह साझेदारी एक परिवर्तनकारी शैक्षणिक यात्रा की शुरूआत है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को तेजी से विकसित हो रही तकनीकी दुनिया में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। इस सहयोग के अंतर्गत डीपीएस रांची में अत्याधुनिक एआई, वीआर एवं रोबोटिक्स इन्वोवेशन लैब की स्थापना की जाएगी, जहाँ विद्यार्थियों को अनुभवात्मक एवं सहभागी शिक्षण के माध्यम से सीखने का अवसर मिलेगा। साथ



ही, उनमें रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, अनुसंधान, नवाचार तथा समस्या-समाधान जैसी महत्वपूर्ण क्षमताओं का

विकास किया जाएगा। इस अवसर को और भी गौरवपूर्ण बनाने हुए डीपीएस रांची की आदरणीय प्राचार्या डॉ. जया चौहान

को आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के प्रबंधन द्वारा उनके दूरदर्शी नेतृत्व तथा विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान विद्यालय की शैक्षणिक एककृष्टता, नवाचार तथा समग्र विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने कहा, 'आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के साथ यह साझेदारी हमारे लिए भविष्य उन्मुख शिक्षण

वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। डीपीएस रांची में हमारा विश्वास है कि शिक्षा विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि 21^{वीं} सदी की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए आवश्यक कौशल, नवाचारी सोच और नेतृत्व क्षमता भी प्रदान करे। इस सहयोग के माध्यम से हमारे विद्यार्थियों को उभरती हुई प्रौद्योगिकियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा, जो उन्हें जिम्मेदार नवप्रवर्तक, शोधकर्ता और भविष्य के प्रभावशाली नेता बनने के लिए प्रेरित करेगा।

नीट एवं परीक्षा धांधली को लेकर झामुमो ने भारत सरकार का पुतला फूँका

बिभा संवाददाता
बोकारो। झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला समिति द्वारा जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का पुतला दहन जिला मुख्यालय बोकारो के समक्ष किया गया। यह प्रदर्शन दिल्ली में आंदोलनरत छात्र-छात्राओं पर हुए पुलिस लाठीचार्ज और उत्पीड़न के विरोध में आयोजित किया गया था। झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि दिल्ली में अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे छात्र-छात्राओं के साथ केंद्र सरकार के इशारे पर बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया गया। आंदोलनकारियों को लाठी, डंडों और लात-घूसों से पीटना बेहद



निंदनीय है। ऐसी जनविरोधी और क्रूर सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो

महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने पुतला दहन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र एवं नौजवान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, नीट

2026 परीक्षा में हुई गड़बड़ियों, सीबीएसई (इएफ़) मार्किंग घोटाले और शिक्षा प्रणाली में सुधारों की जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। छात्र-छात्राओं पर हुआ लाठीचार्ज अंग्रेजी

हुकूमत के तानाशाही रवैये की याद दिलाता है। लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन केंद्र सरकार तानाशाही से लोकतंत्र को कुचलने का काम कर रही है। देश का एक-एक नौजवान अब गोलबंद हो चुका है और इस तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले चुका है। पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य हीरालाल मांझी, अशोक मुर्मू, अखिलेश महतो, विजय रजवार,जिला सचिव मुकेश महतो मोहन मुर्मू, हसन इमाम, पंकज जयसवाल, फैयाज अलम, मनोज हेंब्रम, आलोक सिंह,मिथुन मंडल, कन्हैया सिंह, राकेश सिन्हा, आकाश टुडू, प्रमोद तारपड़िया,

भागीरथ शर्मा, पंकज मरांडी, अजय राणा, अजीत महतो, शांति किस्कू,अंजलि सोरेन, चंदू सिंह मुंडा, जयमाला देवी, सौरभ भट्ट, तपेश्वर महतो, अमित सोरेन, आजाद अंसारी, सोमर मुंडा, बैजनाथ पाल, राजेश सिंह, महबूब आलम,सुभाष महतो, सुनील टुडू, संतोष हेंब्रम, आलोक वर्मा, अजीत सिंह, सदानंद गोप, प्रदीप यादव, मदन महतो, अशोक हेंब्रम, संजय मुर्मू, भारत यादव, समीम अंसारी, सोहन मुर्मू, पूरन महतो, मेगाराम दे, उदय गोस्वामी, अजीत मुर्मू, रणधीर रजक, सुरेंद्र कुमार, बद्री स्वर्णकार, कलीम अंसारी, संजय मुर्मू, दीपक यादव, आलम अंसारी, अनिल हेंब्रम इत्यादि।



बिभा संवाददाता
बोकारो : पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जवाहर लाल माहथा के नेतृत्व में समारहणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरने में बड़े पैमाने पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और केंद्र सरकार को नीतियों तथा हालिया घटनाक्रमों के विरोध में अपना रोष प्रकट किया। धरने को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस समिटी के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार की दमनकारी नीतियों और जंतर मंतर में छात्रों पर हुए बर्बर लाठी चार्ज के विरोध में तत्काल इस्तीफा देना ही न्यायसंगत कदम होगा। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन स्वीकार्य नहीं है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल माहथा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार छात्रों के सवालों से डर गई है, यही कारण है कि जंतर मंतर में छात्र आन्दोलन पर कायरतापूर्ण

एवं क्रूर लाठीचार्ज हुआ। माहथा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा सहित अन्य नेताओं पर हुई बर्बरता कभी सहन नहीं करेगी और पार्टी इसके खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से तत्काल इस्तीफा लगाने की भी मांग दोहराई। धरना-सभा की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल माहथा ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल ने संभाला। धन्यवाद ज्ञापन बोकारो जिला युवा कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष नितेश भारद्वाज ने दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश नेता मो. जलील अख्तर, मयूरंजय शर्मा, ऊषा सिंह, कैसफ राजा, जितेंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, प्रेम राय, दिगम्बर महतो, मो. अली अंसारी, मनोज राय, असीम शर्मा, राजकुमार विद्यार्थी, मस्कूर आलम सिद्दीकी, पम्मी सिंह, नेहा कुमारी, पूनम कुमारी, संगमिता सिंह सहित सैकड़ों कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

गतका जिला प्रतियोगिता 2 अगस्त को आयोजन समिति गठित

बोकारो(बिभा)। बोकारो गतका संघ के द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल चास में 2 अगस्त को द्वितीय बोकारो जिला गतका प्रतियोगिता का आयोजन इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि दिल्ली पब्लिक स्कूल चास के की प्राचार्य मनीषा तिवारी होली इस प्रतियोगिता को सुचारू ढंग से चलने हेतु संचालन समिति का गठन कर दिया गया है संचालक समिति में कुल 14 सदस्य होंगे। आयोजन समिति के सदस्य नईम अंसारी,जसमीत कुमार,वेदांत भारद्वाज, जेबा नाज,खुशी सिंह, हर्षित कुमार, पायल सिंह आशीष कुमार अजीत कुमार सिंह, संजु कुमार दीपक रंजन शामिल है। गतका बोकारो गतका संघ के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि बोकारो जिला गतका प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक एवं रजत पदक विजेता खिलाड़ी अगस्त में होने वाले राज्य गतका प्रतियोगिता में भाग लेंगे



गुप्त सूचना पर 32 वर्षीय बदमाश संजय भुईयां गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

बोकारो(बिभा)। बालीडीह थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार को पुलिस ने वारदातों में नामजद अभियुक्त संजय भुईयां उर्फ बुलेट भुईयां (आयु लगभग 32 वर्ष) को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करके न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी का निवास एलएचओ मोड़ के पास काली मंदिर, थाना सेक्टर-12, जिला बोकारो बताया गया है। वह स्वर्गीय किशोर भुईयां उर्फ केशो भुईयां का पुत्र है। पुलिस ने बताया कि संजय भुईयां पर बालीडीह थाना कांड संख्या 334/25, दिनांक 17 नवंबर 2025 के अंतर्गत धारा 331 (4) एवं 305 (ए) बी०एन०एस० में आरोप दर्ज है। गिरफ्तारी छापामारी के दौरान किए गए रिमांड और तलाशी कार्यवाही के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गिरफ्तारी के समय छापामारी दल में शामिल अधिकारियों में बालीडीह थाना प्रभारी पुनि जितेंद्र कुमार, सेक्टर-12 थाना प्रभारी पुनि सुभाष चन्द्र सिंह, तथा बालीडीह थाना के सहायक उपनिरीक्षक अजय कुमार राय, चन्द्रदेव कुमार और अविनाश गौतम शामिल थे।



रोटरी क्लब चास का 25वां पदस्थापना समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

बोकारो(बिभा)। रोटरी क्लब चास का 25वाँ पदस्थापना समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं निष्णा रस्तोगी द्वारा गणेश वंदना के साथ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पीडीजी रो. संजीव ठाकुर ने प्रेरणादायक संबोधन में रोटरी के सेवा, नेतृत्व एवं मानवीय मूल्य पर प्रकाश डालते हुए कहा की रोटरी का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। क्लब के अध्यक्ष रो. मुकेश अग्रवाल ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए क्लब की आगामी योजनाओं की जानकारी दी तथा सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान निवर्तमान सचिव रो. रवेता रस्तोगी ने स्लाइड शो के माध्यम से क्लब द्वारा पिछले वर्ष किए गए सेवा कार्यों, सामाजिक परियोजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया, जिसकी सभी उपस्थितजनों ने सराहना की। सहायक मंडल अध्यक्ष रो. पूजा बैद ने अंतर्राष्ट्रीय रोटरी के अध्यक्ष के संदेश "Create Lasting Impact" पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रोटेरियनों को ऐसे सेवा कार्य करने चाहिए जिनका समाज पर स्थायी एवं सकारात्मक प्रभाव पड़े। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला पाल रो. राजन गंडेवरा ने रोटरी के आदर्श वाक्य स्वयं से ऊपर सेवा की व्याख्या करते हुए कहा कि निस्वार्थ सेवा ही रोटरी की वास्तविक पहचान है और इसी भावना से समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है। सिद्धार्थ पारख ने रोटरी क्लब चास की 25 साल की सामाजिक यात्रा को संक्षिप्त में बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा क्लब की स्मारिका का भी विमोचन किया गया। ललितता चोपड़ा ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। डॉ परिदा सिंह एवं केंडी टबोडा ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर सभी संस्थापक सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पिछू राज को सीए बनने पर सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में क्लब के सचिव रो.मनोज चौधरी ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। सचिव विनोद चोपड़ा ने आगामी वर्ष में भी सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का आह्वान किया।



अलंकरण समारोह के साथ डीपीएस बोकारो में नए छात्र परिषद सदस्यों ने संभाली कमान

औरों से हटकर करेंगे मेहनत, तो ही मिलेगी अलग पहचान : आईजी शैलेन्द्र

बिभा संवाददाता
बोकारो। डीपीएस बोकारो के नए छात्र परिषद सदस्यों ने गुरुवार को आयोजित बैज-अलंकरण समारोह में अपनी जिम्मेदारियाँ सँभाल लीं। स्कूल के हॉल में आयोजित इन्वेस्टिटचर सेरेमनी में उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र (बोकारो जोन) के पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने मार्च-पारट के बाद नव-चर्यानि सदस्यों को सैश पहनाकर और बैज लगा कर सौंपा। कार्यक्रम में छात्र परिषद ने ईमानदारी व निष्ठा की शपथ ली। मुख्य अतिथि श्री सिन्हा ने संबोधन में कहा कि छात्र परिषद का दायित्व कर्तव्य व उत्तरदायित्व को समझ पैदा करना है और यह नेतृत्व जीवन के हर चरण में काम आएगा। उन्होंने छात्रों से कहा कि जीवन लक्ष्य तय कर ईमानदारी से मेहनत करें और दूसरों से अलग परिश्रम करके ही अलग



पहचान बन पाएगी। अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने समय के अनुसार निर्णय लेने, जनसेवा को अपना लक्ष्य बनाने और शारीरिक-मानसिक चुस्ती बनाए रखने के लिए खेल गतिविधियों से जुड़ने पर भी जोर दिया। श्री सिन्हा ने डीपीएस बोकारो को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्थान वाला विद्यालय बताते हुए विद्यार्थियों से मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाकर सफल व समर्पित नागरिक बनने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार ने कहा कि

छात्र परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व गुणों और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने अलंकरण समारोह को बेहतर ढंग से नेतृत्व और जिम्मेदारी का उत्सव बताया तथा टीम वर्क, ईमानदारी, विनम्रता और सकारात्मक सोच की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अवंनी अनन्या पांडेय, आराध्या सिल्की और छात्र रुद्र कुमार ने किया। समारोह में स्वागत-कार्यक्रम के रूप में स्कोटिंग प्रदर्शन ने ध्यान खींचा; स्कूल के बाल स्केटरों ने प्रमुख

महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सहयोगिनी के गौतम सागर को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता
बोकारो: झारखंड राज्य के महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अद्वि हाउस, राँची में आयोजित जलवायु अखाड़ा कार्यक्रम के दौरान बोकारो के सामाजिक कार्यकर्ता तथा सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर को पर्यावरण संरक्षण, बाल अधिकार के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथी नेटवर्क द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को विधायक सरजू राय सहित देशभर से आए विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, निरक्षित आजीविका तथा सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। श्री सागर सहित 43 सामाजिक संगठनों



के प्रमुखों को महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के 'भारत पंचमूत मिशन' और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि श्विकसित भारत की संकल्पना तभी साकार होगी जब हमारा विकास समावेशी होगा। इस दो दिवसीय 'जलवायु अखड़ा' के मंथन से जो व्यावहारिक समाधान निकलकर आए हैं, उन्हें आगे बढ़ाने की सामूहिक

जिम्मेदारी हम सबकी है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे। इस दौरान सारथी नेटवर्क के मुन्ना झा, कृष्णाकंत, घनश्याम, सुरेश कुमार शक्ति, गौतम सागर, जॉन्सन टोप्पो, शंकर रवानी, हेमंत कुमार, शेखर, गुलाबचंद, शालिनी संवेदना, पारोमिता, प्रांजल, मीनाक्षी, अंकिता, रिचा चौधरी, मिथिलेश कुमार, संजीव भगत, सुभाष चंद्र बोस, ओमकार, लखी दास, मौसमी बाखला, नर्गिस और अजय कुमार सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

जीजीपीएस चास में बाल सुरक्षा हेतु पोक्सो जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता
बोकारो। गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल चास में 22 एवं 23 जुलाई, 2026 को विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, उनके अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा किसी भी प्रकार के शोषण के विरुद्ध निडर होकर आवाज उठाने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दो दिवसीय पोक्सो जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 1 से षकतक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन शहीद बाबा दीप सिंह जी ऑडिटोरियम एवं लेकर थिएटर में किया गया। जूनियर सेक्शन का सत्र किरण मिश्रा, सुधी जया सेन, सुधी एलिस डुंगडुंग, सुनीता लायक एवं अभिषेक चौधरी की उपस्थिति में



संपन्न हुआ। वहीं सीनियर सेक्शन के विद्यार्थियों को सुशी आकृति, सुधी भोभा गुमा एवं मुकेश कुमार द्वारा आकर्षक पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से पोक्सो अधिनियम एवं बाल सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। विद्यालय की प्राचार्या, सुमन नानिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें आत्मविश्वासी एवं

निर्भीक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि किसी भी समस्या या आवश्यकता की स्थिति में वे विद्यालय की पोक्सो समिति के सदस्यों से नि:संकोच संपर्क कर सकते हैं। विद्यालय के समग्र प्रभारी, श्री बी. मिश्रा ने विद्यार्थियों को जागरूक, साहसी एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया तथा किसी भी

अनुचित घटना के विरुद्ध निडर होकर अपनी बात रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन गौतम एस. एन. शर्मा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने प्राचार्या, सदस्य प्रभारी, पोक्सो समिति के सदस्यों, सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति उनके सहयोग एवं क्रिय सहभागिता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह कार्यक्रम जीजीपीएस चास की विद्यार्थियों के लिए एक सुरक्षित, संरक्षित एवं बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, जागरूक एवं संरक्षक बनने की प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करता है कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

बोकारो चैंबर ने एसआईआर के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाया

बिभा संवाददाता
बोकारो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सदस्यों ने बोकारो इस्पात नगर एवं चास क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अपेक्षाकृत धीमी होने के कारण उपायुक्त बोकारो अजय नाथ झा के अनुरोध पर सिटी सेंटर में जन-जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए पोस्टर एवं पंपलेट वितरित किए गए तथा आम नागरिकों को एस.आई.आर. की प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया गया। चैंबर के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने सभी मतदाताओं से अपील की कि जिनका विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभी तक नहीं हुआ

है, वे अपने संबंधित बी.एल.ओ. से प्रपत्र प्राप्त करें उसे सही ढंग से भरकर शीघ्र जमा करें। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने बताया कि यदि किसी मतदाता का विवरण वर्ष 2003 की मतदाता सूची में उपलब्ध नहीं है, तो वह प्रपत्र के उस भाग को रिक्त छोड़कर केवल नीचे दिए गए कॉलम में वर्तमान मतदाता सूची का विवरण भरकर प्रपत्र जमा कर सकता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि एस.आई.आर. की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से भी पूरी की जा सकती है। इस जन-जागरूकता अभियान में संजय अग्रवाल, राजकुमार प्रिय, कमलेश जायसवाल, मुन्ना सिंह, प्रकाश कोठारी, ब्रह्मदेव प्रसाद, ओम प्रकाश गुप्ता सहित चैंबर के अनेक सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।



आधारशिला है। अभियांत्रिकी के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से जुड़कर आप देश और समाज दोनों की सेवा कर सकते हैं। महासचिव साध्वी झा ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनका मार्ग दर्शन किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं ने अपने प्रशिक्षण के अनुभव साझा किए और आगे समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस दौरान संस्था द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न आयामों-प्रकल्पों एवं कौशल विकास कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई।

स्नेह मिलन के तहत संस्था द्वारा संचालित दैनिक संस्कार शाला मनोरमा कश्यप शिशु सृजन वाटिका के बच्चों के बीच मनोरमा जी की पुण्यतिथि पर श्लोक वाचन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। समारोह के अंत में सभी सदस्यों ने सामूहिक भोजन के साथ स्नेह मिलन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के पदाधिकारियों गौरीशंकर सिंह, कौशल राय एवं रीता सिंह, लाल मोती, विनु पाठक, रेणु, प्रिया, रेखा सिन्हा, सरिता, रोहित शर्मा और कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चंदनकियारी में हाई-वोल्टेज ड्रामा: प्रेमिका से शादी की ज़िद में युवक हाई-टेंशन लाइन पर चढ़ा, 4 घंटे बाद सुरक्षित उतरा

बिभा संवाददाता
चंदनकियारी (बोकारो)। प्रेम के जुनून ने गुरुवार को चंदनकियारी प्रखंड के चंडीपुर गाँव में ऐसा नजारा दिखा कि प्रशासन और ग्रामीणों की सांसें रुक सी गईं। पेटरवार पोडोवावांड के रहने वाले सूरज मोदी शादी की मांग मनवाने की ज़िद में 33,000 वोल्ट हाई-टेंशन लाइन पर चढ़ गया। पुलिस व बिजली विभाग की तीव्र कार्रवाई के बाद करीब चार घंटे बाद सूरज स्वयं सुरक्षित नीचे उतर आया और उसे बरमसिया ओपी की ओर ले जाया गया। घटना का विवरण बताते हुए ग्रामीणों ने बताया कि सूरज अपने ननिहाल-स्वर्गीय नाना साधु मोदी के घर चंडीपुर आया था। स्थानीय निवासी एक युवती से उसकी मोहब्बत चल

रही थी। जब परिवार के बीच शादी को लेकर सहमति नहीं बनी तो सूरज ने तेज कदम उठाते हुए बिजली के खम्भे पर बैठकर शादी की सख्त मांग की। इससे मौके पर भारी तनाव और भय फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही अंतर्लाघिकाारी रवि कुमार आनंद, चंदनकियारी थाना प्रभारी अमित कुमार राय व बरमसिया ओपी प्रभारी शैलेंद्र पासवान फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल बिजली विभाग को सूचित कर स्पलाई कटवा दी ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। प्रशासन ने मेगाफोन से लगातार संवाद कर सूरज को नीचे उतरने का समझाया। चार घंटे के समझाने व प्रयासों के बाद सूरज ने स्वयं नीचे उतरने का निर्णय लिया।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में झामुमो ने फूँका केंद्र सरकार का पुतला

बिभा संवाददाता
हजारीबाग: देश की राजधानी दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर छात्रों एवं नवजवानों द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (उएएब्-2026), सीबीएसई मूल्यांकन में कथित गड़बड़ियों तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के दौरान छात्र-छात्राओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) हजारीबाग जिला समिति द्वारा जिला परिषद चौक पर केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया। झामुमो जिला कार्यालय से जुनूस की शकल में झामुमो के कार्यकर्ता जिला परिषद चौक पहुँचकर पुतला दहन किया।



इस दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए आंदोलन पर हुए पुलिस बल प्रयोग की कड़ी निंदा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं छात्र-नौजवान उपस्थित रहे। मौके पर झामुमो के जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण

करने के बजाय आंदोलन को दबाने का प्रयास कर रही है। जिला सचिव नीलकंठ महतो ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में लगातार बढ़ती अनियमितताओं, परीक्षा संचालन में पारदर्शिता की कमी और मूल्यांकन संबंधी विवादों ने छात्रों एवं अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि झामुमो छात्रों की न्यायपूर्ण मांगों के साथ खड़ा है और केंद्र सरकार से छात्र-छात्राओं पर हुए लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग करता है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं का भविष्य किसी भी सरकार की प्राथमिकता होना चाहिए। यदि छात्र अपने अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा के लिए आवाज उठा रहे हैं

तो सरकार का दायित्व है कि वह संवाद स्थापित करे, न कि दमनात्मक कार्रवाई करे। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने, शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार करने तथा आंदोलनकारियों पर की गई कार्रवाई के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की। इस अवसर पर केंद्रीय सदस्य यासीन खान, गौरव पटेल, राजा मोहम्मद, सुनील शर्मा, जिला उपाध्यक्ष रंजीत मेहता, नईम राही, दीपक राय,जिला प्रवक्ता कुणाल यादव, जिला सह सचिव अब्दुल्ला खान, राजदेव यादव समेत सैकड़ों झामुमो के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हजारीबाग खेल महोत्सव-2026 की तैयारियां तेज, जिला ओलंपिक संघ करेगा मेजबानी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के खिलाड़ियों के लिए 28, 29 एवं 30 अगस्त को आयोजित होने वाले हजारीबाग खेल महोत्सव-2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिला प्रशासन के तत्वावधान में होने वाले इस तीन दिवसीय महोत्सव की मेजबानी हजारीबाग जिला ओलंपिक संघ करेगा। प्रतियोगिता में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी जिलों के खिलाड़ी विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसी को लेकर बुधवार देर शाम उपायुक्त सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने जिला के विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा खेलवार जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने



कहा कि हजारीबाग खेल प्रतिभाओं का जिला रहा है। ऐसे में प्रमंडल स्तरीय खेल महोत्सव का आयोजन जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने सभी खेल संघों से समन्वय बनाकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया तथा विभिन्न खेल संगठनों को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी। बैठक के दौरान जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने खिलाड़ियों की सुविधाओं एवं खेल अवसरंचना से जुड़े विभिन्न विषय उपायुक्त के समक्ष रखे। उन्होंने जिले में आधुनिक स्विमिंग पूल, वॉलीबॉल कोर्ट सहित अन्य खेल सुविधाओं के विकास की

आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उपायुक्त ने इन प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए संबंधित विषयों को बोर्ड की बैठक में रखने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक के बाद हर्ष अजमेरा ने कहा कि हजारीबाग में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर प्रमंडल स्तरीय खेल महोत्सव आयोजित हो रहा है। यह आयोजन जिले के खिलाड़ियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेंगा तथा खेल संस्कृति को और अधिक मजबूत करेगा। उन्होंने इस पहल के लिए जिला प्रशासन एवं उपायुक्त का आभार भी व्यक्त किया।

दिव्यांग बच्चों के बीच सहायक उपकरण का हुआ वितरण



बिभा संवाददाता

लोहरदगा। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत समावेशी शिक्षा कार्यक्रम के तहत जिले के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राओं को सदर प्रखंड में आवश्यक सहायक उपकरण (ट्राइसाईकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, कैपिलर्स आदि) उपलब्ध कराने के लिए विशेष वितरण शिविर आयोजित किया गया जिसमें बच्चों के बीच सहायक उपकरण का वितरण भी किया गया। यह कार्यक्रम राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र

शिक्षा झारखंड के निदेशानुसार आयोजित किया गया। शिविर में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजीव रंजन ने बताया कि शिविर में पूर्व में चिन्हित एवं चिकित्सीय मूल्यांकन पूर्ण कर चुके पात्र लाभार्थियों के बीच उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपकरण उपलब्ध कराये गये। शिविर के सफल संचालन के लिए संबंधित संसाधन शिक्षकों, विशेष शिक्षकों, थैरेपिस्ट एवं वितरण एजेंसी की टीमों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। इस अवसर पर बीपीओ मंजु कुमारी, थैरेपीस्ट धीरज पटेल आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सरकारी बस स्टैंड का नगर निगम आयुक्त और मेयर ने किया निरीक्षण

हजारीबाग(बिभा) : शहर के सरकारी बस स्टैंड की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए नगर निगम के नगर आयुक्त और मेयर ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान बस स्टैंड परिसर में लंबे समय से खड़ी खराब बस, साफ-सफाई, यात्री सुविधाओं तथा समग्र व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि एक खराब बस काफी समय से बस स्टैंड परिसर में खड़ी है, जिससे यात्रियों को परेशानी होने के साथ-साथ बस स्टैंड की व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। इस पर मेयर एवं नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल खराब बस हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने बस स्टैंड परिसर की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को बेहतर एवं सुगम सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है तथा लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अधिकारी एवं संबंधित विभाग के कर्मों भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बस स्टैंड की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की बात कही।



सूचना एवं संपर्क सम्मान कार्यक्रम का मध्य आयोजन, पूर्व पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

रामगढ़(बिभा): मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट चेतना शाखा द्वारा निर्वर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष आदरणीय अरुण गुप्ता के सम्मान में सूचना एवं संपर्क सम्मान कार्यक्रम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की मजबूत नींव रखने वाले सभी पूर्व अध्यक्ष, पूर्व सचिव एवं पूर्व कोषाध्यक्षों को सम्मानपूर्वक उपहार भेंट कर उनके अमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष मिलादी अग्रवाल, रीना मोदी, अनू खंडेलवाल एवं नीति बेरिया, पूर्व सचिव मीनू बागड़िया, स्नेहा जैन, प्राची चौधरी एवं मनीषा अग्रवाल तथा पूर्व कोषाध्यक्ष स्वाति मित्तल, प्रीति चौधरी, शैली अग्रवाल एवं लवली अग्रवाल को सम्मानित किया गया। शाखा की स्थापना एवं संगठन के विकास में उनके समर्पण, नेतृत्व और योगदान को सभी ने सराहा। राजन जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भव्य केक काटकर 25 गौरवशाली वर्षों का उत्सव भी मनाया गया। बैठक के दौरान आयोजित विशेष तंबोला प्रतियोगिता में सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए, जिससे कार्यक्रम का वातावरण हर्ष, उल्लास एवं आपसी सौहार्द से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के उपरांत सभी सदस्यों के लिए स्वादिष्ट जलपान की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष मनीषा अग्रवाल ने कहा कि पूर्व पदाधिकारियों का समर्पण एवं मार्गदर्शन ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। चेतना शाखा भविष्य में भी सेवा, एकता और संगठन की इसी भावना के साथ निरंतर कार्य करती रहेगी।



रामगढ़ जिला अन्तर्गत शाखा पदाधिकारीयों की बैठक संपन्न

रामगढ़(बिभा): रामगढ़ जिला अंतर्गत मारवाड़ी सम्मेलन के शाखाओं के अध्यक्ष मंत्री कि अब तक कि प्रथम बैठक आज प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल कि अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल व प्रांतीय महामंत्री विनोद जैन ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि सभी सदस्यों को प्रणाम पत्र निर्गत करने के प्रयास किया जा रहा है जिसमें सदस्यों के सहयोग कि आवश्यक है। वाट्सएप ग्रुप बैठक का संचालन करते हुए जिला महामंत्री प्रकाश पटवारी ने सभी शाखाओं से सदस्यता सुची का शुद्धिकरण करने व कार्यकर्णी गणक करने कि बात रखी। बैठक में भुक्तुंडा शाखा अध्यक्ष उमेश राजगढ़िया, मंत्री सुनील अग्रवाल, पतरगु शाखा मंत्री प्रमोद केजरीवाल, कुनु शाखा अध्यक्ष रोहित पनसारी, मंत्री संतोष अग्रवाल, रामगढ़ शाखा मंत्री आरुष अग्रवाल ने अपनी समस्या रखते हुए प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ जिला स्तरीय बैठक का प्रस्ताव रखा।



हजारीबाग में,भारतीय जनता पार्टी का प्रमंडलीय- प्रवासी, कार्यकर्ता बैठक संपन्न हुई बूथ के कार्यकर्ता संगठन में रीड की हड़ी है:बाबूलाल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : भारतीय जनता पार्टी ,हजारीबाग- प्रमंडल का प्रमंडलीय, मंडल- प्रवासी कार्यकर्ता का बैठक हजारीबाग स्थित पैराडाइज रिसॉर्ट में की गई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता, झारखंड सरकार के प्रथम मुख्यमंत्री व प्रतिपक्ष के नेता आदरणीय बाबूलाल मरांडी उपस्थित थे। हजारीबाग प्रमंडल के प्रभारी व प्रदेश महामंत्री श्री मनोज कुमार सिंह, प्रदेश मंत्री डॉ अमरदीप यादव भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रमंडलीय प्रवासी कार्यकर्ता बैठक में हजारीबाग ,रामगढ़, चतरा एवं कोडरमा जिला से बड़ी संख्या में मंडल प्रवासी कार्यकर्ता उपस्थित हुए। चारों जिला के मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मंडल प्रवासी, जिला पदाधिकारी एवं प्रदेश कार्य समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुरुआत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर



पुष्प अर्पित कर, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम से की गई। सभी जिलों से आए मंडल प्रवासी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित अतिथियों का स्वागत हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह जी के मुखारविंद से किया गया। कार्यक्रम का संचालन हजारीबाग जिला महामंत्री जय नारायण प्रसाद एवं धन्यवाद ज्ञापन चतरा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता के द्वारा की गई। यह बैठक विशुद्ध रूप से सांगठनिक बैठक थी। पार्टी संगठन की न्यू की पत्थर कहा जाने वाला बूथ कमिटी का सशक्तिकरण, पंचायत/ शक्ति केंद्रों का सत्यापन एवं पुनर्गठन मुख्य मुद्दा था। पार्टी कार्यकर्ताओं

को सक्रिय कर सत प्रतिशत एस आई आर को सफल करना मुख्य उद्देश्य है। ताकि अपेक्षित मतदाता का नाम छूट नहीं और आनापेक्षित व्यक्तियों का नाम जुड़े नहीं। मजबूत लोकतंत्र में पारदर्शी मतदाता सूची का निर्माण करने से ही सही सरकार का गठन हो सकता है। मंडल प्रवासी कार्यकर्ता बैठक की कार्यशाला में झारखंड सरकार के प्रथम मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष एवं हजारीबाग प्रमंडल का प्रमंडलीय प्रभारी व प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह द्वारा विस्तार से सशक्त एवं कुशल कार्यकर्ता निर्माण, बूथों का पुनर्गठन , शक्ति केंद्रों का सत्यापन हेतु ,दोनों नेता

जिला स्तरीय स्कीनिंग समिति की बैठक में 70 कर्मियों को एसीपी-एमएसीपी का लाभ देने का निर्णय

पलामू : जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने अपने कार्यालय कक्ष में गुरुवार को जिला स्तरीय स्कीनिंग समिति की बैठक की। डच्च न्यायालय से प्राप्त निर्देश के आलोक में इस बैठक में बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के समायोजित कुल 70 कर्मियों को एसीपी-एमएसीपी का लाभ प्रदान करने का निर्णय लिया गया। जिसमें अनुसूचक समेत विभिन्न कर्मों शामिल हैं। विदित हो कि एसीपी-एमएसीपी का लाभ वैसे कर्मियों को दिया जाता है जिनकी सतीषप्रद सेवा काल दस वर्ष पूरा हो चुका है। बैठक के दौरान जिन कर्मियों का सतीषप्रद सेवा दस वर्ष पूरा हो गया था, उन्हें प्रथम एसीपी-एमएसीपी का लाभ,जिनका सेवा 20 वर्ष उन्हें द्वितीय एसीपी-एमएसीपी और जिनकी सेवा 30 वर्ष पूरा हो चुका था, उन्हें तृतीय एसीपी-एमएसीपी का लाभ प्रदान किया गया है।

पीएम श्री विद्यालयों की शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक गतिविधियों का निदेशक ने किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। विभागीय निर्देश के आलोक में जिले में संचालित पीएम श्री विद्यालयों की शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड, रांची के निदेशक (प्राथमिक शिक्षा) मनोज रंजन कुमार ने किया। सरकार के निर्देशानुसार प्रथम चरण में गुरुवार 23 जुलाई 2026 को निदेशक ने पीएम श्री राजकीयकृत प्लस-2 उच्च विद्यालय, बिपरी (भंडरा) एवं पीएम श्री केजीबीबी, सेन्हा का निरीक्षण किया। जिले में कुल नौ पीएम श्री विद्यालय संचालित हैं। निरीक्षण के क्रम में विद्यालयों के सभी आवश्यक अभिलेख, पंजी, साक्ष्य एवं दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। विशेष रूप से छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति, शिक्षा का स्तर, आउटकम्स, लर्निंग लेवल, खिलकूद गतिविधियों, कंप्यूटर शिक्षा के अंतर्गत स्मार्ट क्लास,



आईसीटी लैब, डिजिटल प्रशिक्षण तथा एआई से संबंधित प्रशिक्षण का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया गया। साथ ही विद्यालय परिसर, भवन की स्थिति, शौचालय, पेयजल, वर्ग कक्ष, व्यावसायिक शिक्षा, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाओं एवं खेलकूद सामग्री का निरीक्षण करते हुए सकारात्मक सुधार के लिए संबंधित प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं वार्डन को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अभिजीत कुमार, एडीपीओ मोनिदीपा बनर्जी, एपीओ एमलीन सुरीन, क्षेत्र प्रबंधक आकाश कुमार एवं गौरव पाण्डेय उपस्थित रहे।

नीट व सीबीएसई मार्किंग में कथित गड़बड़ी और छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में झामुमो ने किया केंद्र सरकार के खिलाफ पुतला दहन

छात्रों की आवाज दबाने की हर कोशिश का दिया जाएगा जवाब, शिक्षा व्यवस्था में सुधार तक जारी रहेगा संघर्ष : मोजम्मिल अहमद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति, लोहरदगा के तत्वावधान में गुरुवार को छात्र आंदोलन के समर्थन में केंद्र सरकार का पुतला दहन कर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन, नीट व सीबीएसई की मार्किंग में कथित गड़बड़ियों, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग तथा आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं पर हुए कथित लाठीचार्ज और पुलिस कार्रवाई के विरोध में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत



झामुमो जिला कार्यालय से हुई, जहां बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं और समर्थक एकत्र हुए। इसके बाद सभी ने संयुक्त मार्च आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं पर हुए कथित लाठीचार्ज और पुलिस कार्रवाई के विरोध में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत

गई और छात्रों के अधिकारों की रक्षा की मांग बुलंद की गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश के छात्र अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। प्रतिवर्षी परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्ष मूल्यांकन और शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार समय की सबसे बड़ी आवश्यकता

है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन पर बल प्रयोग किया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ है। झामुमो जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने कहा कि पार्टी छात्रों और युवाओं की आवाज के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली और छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए झामुमो का संर्षण लगातार जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं करती है तो

आंदोलन को और व्यापक और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला सचिव अनिल उरांव, केंद्रीय समिति सदस्य निरु शांति भगत, महिला जिलाध्यक्ष राधा तिकी, जिला सचिव सरस्वती चच्छप, उपाध्यक्ष फातिमा परवीन, युवा जिलाध्यक्ष अजय उरांव, छात्रमोर्चा के जिलाध्यक्ष आशिष मुजनी, जुबेर अंसारी, नगर अध्यक्ष आकाश साहू, मोनू अली, अहद खान, कुड़ु प्रखंड अध्यक्ष शंकर उरांव, किस्को प्रखंड अध्यक्ष बिनैस कुमार, सेन्हा प्रखंड अध्यक्ष राजकिशोर राम सहित अन्य उपस्थित थे।

धनबाद अंचल कार्यालय को व्यवस्थित व जनउपयोगी बनाएं : डीडीसी
धनबाद : उा विकास आयुक्त सन्नी राज ने धनबाद अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कार्यालय की सुखा एवं बेहतर प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए चहारदीवारी के मरम्मतिकरण का निर्देश दिया। साथ ही, परिसर में उपलब्ध स्थान का उपयोग करते हुए रेजगार के अवसर सृजन करने के उद्देश्य से दुकानों के निर्माण के लिए आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि धनबाद अंचल कार्यालय परिसर का समुचित विकास करते हुए, इसे सुरक्षित, व्यवस्थित एवं जनउपयोगी बनाएं। निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में स्थित अर्चन जर्जर भवनों का भी अवलोकन किया गया। भवनों की स्थिति को देखते हुए उनके पुनर्निर्माण, जीर्णोद्धार के लिए नई योजनाओं के अंगर्गत प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति की कार्रवाई करने की बात कही।

थर्मल इंजीनियरिंग का नया मंत्र: क्लीन एनर्जी, सुरक्षित भविष्य



योगेश कुमार गोयल

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि की जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है।

को यले नहीं, अब हरित ऊर्जा से रोशन हो भारत...
थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियरिंग दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और उसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को सम्बन्ध में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा और ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है। एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विशेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटीग्रेट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले उपकरण कीडोशर तथा रेफ्रिजरेटर में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को निर्यात करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन।

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टर्बाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पाणी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पाणी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दबाव पर भाप बनती है



और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टर्बाइनों चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टर्बाइनों का इस्तेमाल किया जाता है। भाप बनाने के लिए पानी को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, जिसके लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन उपयोग किया जाता है।

दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टर्बाइनों का उपयोग किया जा रहा है। किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से काम बढ़ाया जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ आयुर्धुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएँ शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं। दरअसल थर्मल पावर स्टेशनों में भाप पैदा करने के लिए कोयला जलाने से पर्यावरण को अप्रुणीय क्षति पहुँचती है क्योंकि इस प्रक्रिया

में निकलने वाली हानिकारक गैसों हवा में मिलकर पंथावरण को बुरी तरह प्रदूषित करती हैं, साथ ही कोयला या अपशिष्ट जलाने के बाद बचने वाले अवशेषों के निबटारे की भी बड़ी चुनौती मौजूद रहती है।

हालांकि भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयले के अलावा उर्जा के अन्य स्रोतों का भी इस्तेमाल किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोयले को जलाना जाना और इससे होने वाली गंध, पारे के प्रदूषण का मुख्य कारण है। विश्वभर में करीब चार्लस फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में करीब साठ फीसदी बिजली कोयले से, सोलह फीसदी अश्वय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, चौदह फीसदी पानी से, आठ फीसदी गैस से, 1.8 फीसदी न्यूक्लियर पॉवर से तथा 0.3 फीसदी डीजल से पैदा होती है। वैसे बिजली पैदा करने के लिए भले ही ऊर्जा के किसी भी स्रोत का इस्तेमाल किया जाए, प्रत्येक थर्मल पावर प्लांट में इसके लिए बाँधर का इस्तेमाल होता है, जिसमें ईंधन को जलाकर ऊष्मीय ऊर्जा

पद की जाती है, जिससे पानी को गम कर भाप बनाई जाती है, जो टरबाइनों को चलाने में इस्तेमाल होती है। वायु प्रदूषण आज दुनियाभर में एक बड़े स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रहा है और इस समस्या के लिए थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाला उत्सर्जन भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से निपटने के लिए एक दशक से भी अधिक समय से उत्सर्जन मानकों को पूरा करने और नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को रोककर अश्वय ऊर्जा की तृप्तक बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। सुप्रिमा कोर्ट भी इन उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित करता रहा है किन्तु थर्मल पावर प्लांट के लिए उत्सर्जन मानकों को लागू करने का मामला वर्षों से अधर में लटका है। पर्यावरण पर कार्यरत कुछ संस्थाओं द्वारा निरंतर मांग की जा रही है कि पर्यावरण मंत्रालय उत्सर्जन मानकों का पालन करतے हुए थर्मल पावर प्लांटों को प्रदूषण के लिए उत्तरदायी बनाए और अश्वय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए थर्मल पावर प्लांटों का निर्माण रोका जाए।

माना जा रहा है कि उत्सर्जन मानकों का पालन करने में देरी के चलते सालाना 70 हजार से ज्यादा मौतें समय पूर्व हो रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था ग्रीनपीस के अनुसार यदि उत्सर्जन मानकों को समय से लागू किया जाता तो सल्फर डाईऑक्साइड में 48 फीसदी, नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड में 48 फीसदी और पीएम 2.5 में 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती थी, जिससे समय पूर्व हो रही इन मौतों से बचा जा सकता था। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली बनाए जाने के लिए कोयला जलाने के दौरान उत्पन्न बनी राख का 10 फीसदी से भी अधिक हिस्सा चिमनियाँ के जरिये धुंएँ के साथ ही वातावरण में घुल जाता है, जो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनता है।

बहरहाल, आज जिस प्रकार दुनियाभर में पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अश्वय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में भारत की भी कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देना चाहिए।

समय के साथ अब जरूरत इसी बात की है कि हम अश्वय ऊर्जा को और तेजी से कदम बढ़ाएं और बिजली बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा के इन्हीं सुरक्षित स्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें।

संपादकीय

गहराता भूजल संकट

यह आंकड़ा डराने वाला है कि उत्तर भारत में भूजल का स्तर 450 घन किलोमीटर तक घट गया है। पिछले दो दशकों में आई यह गिरावट इस बात का संकेत है कि आने वाली समय में खेती व जीवनवापन के लिए पानी की किल्लत हो सकती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान के हृदयिकम साराभाई चेयर प्रोफेसररुद्र के एक अध्ययन में बताया गया है कि दो दशक में भूजल में आयी यह कमी भारत के सबसे बड़े जलाशय हैदराबाद शराब बांध की कुल जल भंडारण मात्रा का 37 गुना है। दरअसल, भूजल में इस कमी की एक बड़ी वजह वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी बारिश में 8.3 फीसदी की कमी आना है। इस संकेत का दूसरा पहलु यह भी है कि उत्तर भारत में सर्दियों के तापमान में 0.3 सेल्सियस वृद्धि देखी गई है। इस बात की पुष्टि हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिक अनुसंधान संस्थान के शोधार्थियों के एक दल ने की है। मानसून के दौरान कम बारिश होने और सर्दियों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण आने वाली वर्षों में निश्चित रूप से सिंचाई के लिये पानी की मांग में जड़ें होगी। वहीं पानी की मांग बढ़ने से भूजल पुनर्भरण में भी कमी आएगी। जिसका दबाव पहले से ही अधिक के संकेत से जुड़ा रहे उत्तर भारत के इलाके पर पड़ेगा। हैदराबाद स्थित एनजीआरआई का अध्ययन चेतावना है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जहां एक ओर मानसून के दौरान बारिश में कमी आएगी, वहीं सर्दियों में अपेक्षाकृत अधिक तापमान रहने से भूजल पुनर्भरण में छह से 12 फीसदी तक की कमी आ सकती है। संकेत का एक पहलु यह भी है कि हाल के वर्षों में मिट्टी में नमी में कमी देखी गई है। जिसका निष्कर्ष यह भी है कि आने वाले वर्षों में सिंचाई के लिये पानी की मांग में वृद्धि होगी। निश्चित ही यह स्थिति भारी खेती और खाद्य श्रृंखला की सुरक्षा के लिये चिंताजनक कहीं जा सकती है। वहीं दूसरी ओर शोधार्थियों ने अपने अध्ययन में पाया है कि मानसून के दौरान बारिश के प्रतिशत में गिरावट तथा सर्दियों में तुलनात्मक रूप से मौसम के गर्म होने से फसलों के सिंचाई के लिये अधिक भूजल की जरूरत पड़ेगी। इसकी वजह यह भी है कि सर्दियों में तापमान अधिक होने से खेतों की मिट्टी तुलनात्मक रूप से शुष्क हो जाती है। यह कमी तभी पूरी हो सकती है जब हल्की बारिश की अर्ध अधिक हो। देश के नीति-निर्णायकों को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि भूजल के स्तर को कैसे ऊंचा रखा जा सके। जहां एक ओर वर्षा जल संग्रहण को प्रामाण्य व शहरी इलाकों में युद्धस्तर पर शुरू करने की जरूरत है, वहीं अधिक पानी वाली फसलों के चक्र में बदलाव लाने की भी आवश्यकता है। इस संकेत के आलोक में खेतिहर वर्ग को मुफ्त बिजली-पानी की राजनीति पर पुनर्विचार करने की जरूरत भी है। भूजल की सहज व सस्ती उपलब्धता उसके अधिक उपयोग को प्रेरित करती है। कृषि वैज्ञानिकों को ऐसे फसलों के लिये अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा, जो ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभावों के बावजूद अधिक तापमान व कम पानी में अधिक उपज दे सके। सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि 140 करोड़ लोगों के लिये खाद्यान्न उपलब्ध कराना उनका प्राथमिक दायित्व है। खाद्यान्न के उत्पादन में कमी

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूँ। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। यह खिड़कियाँ बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आपणा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूँ, देखती हूँ कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहाँ से आ गया। कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाए ओमें घर से। मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है। खूब लाठियाँ बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गया। लहलुहाहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। पेशान हो गई।

सास अंदर दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहलुहाहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोया, घर इतना जिव्ही है कि मना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? उसप्सी नहीं तुम बात को। सास ने दैया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।



दिलीप कुमार पाटक

आ ज देश का युवा और छात्र वर्ग रहने संकट में है। जब भी इतिहास में बड़े बदलाव हुए हैं, उनकी शुरुआत हमेशा कॉलेजों से ही हुई है। छात्र देश का भविष्य होते हैं, कौनों अपराधी नहीं। लेकिन आज जब देश का छात्र अपनी पढ़ाई, परीक्षाओं में धांधली या रोजगार की मांग लेकर सड़कों पर उतरता है, तो उसके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जाता है। एक तरफ सरकार उनकी जायज मांगों को सुनने से मना कर देती है, तो दूसरी तरफ उन पर पुलिस की लाटियाँ और आंसू गैस के गोले छोड़े जाते हैं। सरकार बाबूजीत के बजाय दमन का रास्ता चुन रही है। जरा रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो खूना आखिर कहाँ जाए? एक सच्चे लोकतंत्र की खूबी यह होती है कि वहाँ विविध प्रदर्शनों का सम्मान किया जाता है। सरकार का कर्तव्य है कि वह प्रदर्शनकारी छात्रों को बुलाए, उनकी समस्याओं को समझे और मिलकर रास्ता निकाले। लेकिन मौजूदा समय में संवाद की जगह पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। सत्ता में बैठे लोग इतने अहंकारी हो चुके हैं कि उन्हें जना की आवाज सिर्फ एक शोर



सुनील कुमार महला

हाल ही में सिक्किम के समरडुंग, नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता रीज-रक जलविद्युत परियोजना के निमाणाघीन टनल (एडीआईटी-3) में हादसा हो गया। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 20 जुलाई 2026 का निमाणाघीन सुरंग के अंदर अचानक मिथेन गैस से जुजुड़ी घटना (संभावित विस्फोट/दहन) हुई और इसके बाद सुरंग के प्रवेश मार्ग में गैस भूखलन हुआ, जिससे सुरंग का हिस्सा बंद हो गया और अंदर मौजूद कर्मचारी व अधिकारी फंस गए। बताया जा रहा है कि सुरंग में 40 से अधिक लोग मौजूद थे। इनमें से कुछ लोग समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन लगभग 25इ27 लोग अंदर फंस गए। जानकारी अनुसार इयमें एनएचपीसी, ठेकेदार कंपनी और मजदूर शामिल थे।

ताजा उपलब्ध जानकारी के अनुसार (यह आलेख लिखे जाने तक) 20 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं तथा 2 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे तथा रिपोर्ट के समय तक 5 लोगों की तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि सुरंग में प्राकृतिक रूप से जमा मिथेन गैस को निकालने के प्रयास के दौरान विस्फोट/दहन हुआ, जिससे भूखलन हुआ और सुरंग का प्रवेश मार्ग बंद हो गया। हालांकि, अंतिम कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। राहत एवं बचाव कार्य में राज्य पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी,



लगती है। जब युवाओं से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी छीन लिया जाए, तो लोकतांत्रिक का मूल दाँचा ही खतरने में पड़ जाता है। छात्रों पर झुठे मुकदमे दर्ज करना और उनके भविष्य को बर्बाद करना किसी भी लोकतांत्रिक देश की पहचान नहीं हो सकती। देश कार्यपालिका यानी सरकार पूरी तरह बहरी और अंधी हो जाती है, तो देश का आम नागरिक न्याय की आसिरी उम्मीद लेकर न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाता है। भारत में सुप्रीम कोर्ट को संविधान का रक्षक और जनता का सबसे बड़ा कवच माना गया है। हेड पीटिड व्यक्ति को हथे विषयास होता है कि भले ही पूरी दुनिया उसका साथ छोड़ दे, लेकिन देश की सबसे

बड़ी अदालत उसे न्याय जरूर देगी। लेकिन जब इसी अदालत से वह सुनने को मिले कि हमारे पास समझ नहीं है या हम इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते हैं और न ही वीडियो देख सकते हैं हमारा वह बर्बाद न करें, तो देश के युवाओं का भरोसा पूरी तरह टूट जाता है। उस सिर्फ एक अदालती टिप्पणी नहीं है, बल्कि वह है उस करोड़ों युवाओं की उम्मीदों पर बहुत गहरी चोट है जो दिन-रात मेहनत करके देश को आगे बढ़ाना चाहते हैं। अगर देश के सर्वोच्च न्यायालय के पास युवाओं पर कोई भी अत्याचारों को देखने का समय नहीं होगा, तो फिर इस देश में न्याय की क्या परिभाषा देर जाणी है। अदालतें तकनीकी कारणों का हवाला देकर इतने गंभीर

सिक्किम हादसा: प्रकृति की चेतावनी या मानवीय लापरवाही?



दमकल तथा अन्य विशेषज्ञ एजेंसियों को लगाया गया। इन्पर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। बहरहाल, यहाँ यह कहना गलत नहीं होगा कि भूस्खलन के कारण इस सुरंग के ढह जाने से कई लोगों की मौत हो जाने की घटना ने पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अन्देखी कर विकास किनारा नुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है।

हाल फिलहाल, यहाँ पाठकों को बताता चलूँ कि हमारे देश में भूस्खलन (लैंडस्लाइड) एक गंभीर प्राकृतिक आपदा बनता जा रहा है। मानसून के दौरान हिमालयी और पर्वतीय घाट के राज्यों में इसकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल के दिनों में सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा के कारण कई बड़े भूस्खलन हुए हैं। वास्तव में, अत्यधिक वर्षा और बदल फटना, भारत के हिमालयी क्षेत्र का भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय होना, अनियोजित विकास (पेड़ों की अंधश्रद्धा कटाई, सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाओं और

भवन निर्माण के दौरान वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी), विकास के नाम पर पहाड़ों का काटा जाना, जलवायु परिवर्तन (अत्यधिक और अत्यधिक अधिक) भूस्खलन के प्रमुख कारणों में से एक है तथा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) तथा पश्चिमी घाट (केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र) हमारे देश में सबसे अधिक भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में से एक हैं। गौरतलब है कि भारत का लगभग 12.6% भौगोलिक क्षेत्र भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्र में आता है तथा इस क्रम में इमरो (राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र) ने वर्ष 1998-2022 के दौरान भारत में लगभग 80,000 भूस्खलों का डेटाबेस तैयार किया है। यहां पाठकों को यह भी बताता चूंकि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है।

बहरहाल, भूस्खलन का यह हमारे देश में पहला हादसा नहीं है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया

और संवेदनशील मामलों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। जब सर्क्यू में पर छात्रों का खूब बह रहा हो और पुलिस बर्बरता के वीडियो सामने आ रहे हों, तब अदालत का यह कहना कि हमारे पास समय नहीं है, न्याय व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करता है। अब सवाल यह उठता है कि अगर सरकारें दमन करेंगी और अदालतें व्यस्तता का बहाना बनाएंगी, तो फिर यह कैसा लोकतंत्र है ? लोकतंत्र सिर्फ पाँच साल में एक बार वोट देने का नाम नहीं है। लोकतंत्र एक जीवित व्यवस्था है, जो हर दिन नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने से चलती है। अगर नागरिकों को अपनी बात कहने का हक नहीं है, अगर न्याय मांगने पर उन्हें सिर्फ निराशा मिलती है, तो यह लोकतंत्र केवल कागजों पर ही जंदा रहेगा। ऐसी स्थिति देश को तानाशाही की तरफ धकेलती है। इस गंभीर संकट से निकलने का रास्ता संघटित ही है। सरकार को अपना अहंकार छोड़कर प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए। इसके साथ ही, देश की अदालतों की भी अपनी प्राथमिकताओं को दोबारा तय करना होगा। देश के युवाओं के मानवाधिकारों की रक्षा करना सबसे ज्यादा जरूरी है। जब तक सरकार लाठीचार्ज चलाता बंद नहीं करेगी और अदालतें अपनी आंखें नहीं खोलेंगी, तब तक लोकतंत्र की आत्मा तड़पती रहेगी। मैं हम हाल में इस भरोसे को बचाना होगा, क्योंकि भरोसे के बिना कोई भी देश मजबूत नहीं बन सकता।

(लेखक पत्रकार हैं)

यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरुआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरुआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं। लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरुआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

- आपने दिन की शुरुआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
- बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
- इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
- अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
- कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
- बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
- इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
- बादाम और किशमिश के सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है।
- जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
- आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

- रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
- सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
- इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
- इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलुबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलुबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलुबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।



बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलुबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती

है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम करें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति संवेदित्वि होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है।

ऐसे में लग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।



जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरोन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंप्यूजन, सिरदर्द और वॉमिटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है।

ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।



सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताते जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

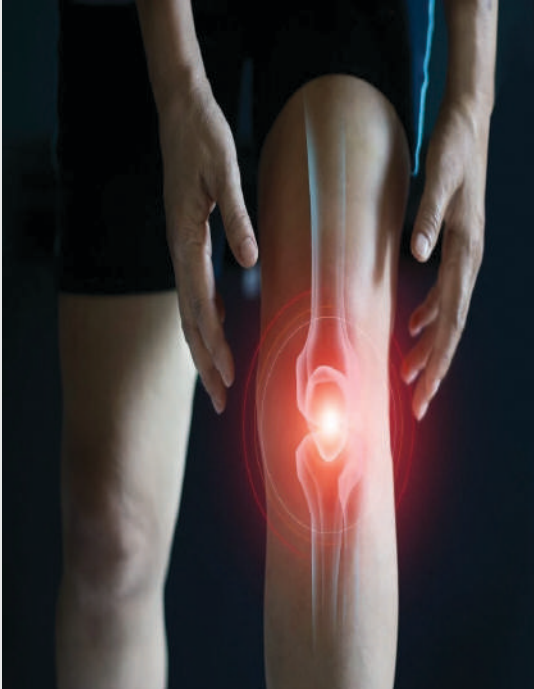
हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है।

सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।



ज्वाइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्लूइड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वाइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वाइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिश्रण के बारे में बताते जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ी के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिश्रण की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सोंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें। फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं। इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है। बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वाइंट्स के इन्फ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वाइंट के दर्द में राहत देता है। भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है। सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजेक्शन बूस्ट होता है और ज्वाइंट में लवोलिपन आता है। अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है। दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इन्फ्लेमेशन से राहत मिलती है। मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है। सोंठ में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपटीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली एंठन को कम करती है।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्स की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटेड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

पुलिसकर्मों की हत्या के बाद दो आतंकवादियों के घर पर चला बुलडोजर

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग ज़िले में एक आतंकवादी हमले में पुलिसकर्मों आशिक हुसैन की मौत के कुछ घंटे बाद प्रशासन ने लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों के मकान ढहा दिए। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सक्रिय आतंकवादी आदिल ठोकर और हारून रशीद गनई के मकान बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात ध्वस्त कर दिए गए।

उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई बुधवार दोपहर अनंतनाग के लाल चौक में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा इयूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन की एक आतंकवादी ने गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ ही घंटे बाद की गई। कश्मीर में इससे पहले भी सक्रिय आतंकवादियों के मकान ढहाए गए हैं, लेकिन हिंसा की घटनाओं में कमी आने के कारण पिछले एक साल से ऐसी कार्रवाई बंद थी, लेकिन पुलिसकर्मों की मौत के बाद यह कार्रवाई की गई।

रांची में नीट प्रदर्शन हिंसक : भाजपा कार्यालय के बाहर पथराव

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस द्वारा भाजपा प्रदेश कार्यालय के घेराव के दौरान हरमू इलाके में राजनीतिक तनाव चरम पर है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हरमू मैदान से मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने उन्हें भाजपा कार्यालय से पहले बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इसके बाद कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और नीट मामले में तुरंत कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, भाजपा कार्यालय के बाहर पहले से मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जवाबी नारेबाजी की, जिससे माहौल और गर्म हो गया। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के बीच अंडे और टमाटर फेंकने शुरू हो गए, जो जल्द ही पथराव में बदल गए। इस झड़प में कई मीडियाकर्मियों के घायल होने की खबर है, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालात बिगड़ते देख ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस ने मोर्चा संभाला और अतिरिक्त बल तैनात कर दोनों पक्षों को नियंत्रित किया। लंबे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता वापस लौट गए और भाजपा कार्यकर्ता भी तितर-बितर हो गए। एहतियातन भाजपा कार्यालय और आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है और कानून व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कटिहार में नीट प्रदर्शन : बवाल, पथराव, मजिस्ट्रेट की आंख में गंभीर चोट

पटना (एजेंसी)। पटना के बाद कटिहार में भी नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों का प्रदर्शन उग्र हो गया। गुरुवार को कटिहार समाहरणालय पर जुटे छात्रों ने पथराव किया, जिसमें एक मजिस्ट्रेट गंभीर रूप से घायल हो गए। नीट परीक्षा में कथित धांधली के विरोध में छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी की मांग कर प्रदर्शन किया। हाथों में बैनर-पोस्टर लिए सैकड़ों छात्र सुबह होते ही समाहरणालय के मुख्य द्वार पर जमा हो गए। पटना में हुए बवाल के मद्देनजर बिहार पुलिस पहले ही अलर्ट पर थी। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और कलेक्ट्रेट को चारों ओर से घेर लिया। एहतियात के तौर पर समाहरणालय के दोनों गेट बंद कर दिए गए थे। छात्र लगातार नारेबाजी कर रहे थे और प्रदर्शन हिंसक रूप लेने लगा। छात्रों द्वारा लगातार नारेबाजी और प्रदर्शन के बीच अचानक पथराव शुरू हो गया। असाधारण तत्वों द्वारा किए गए पथराव में मजिस्ट्रेट के तौर पर तैनात कटिहार अंचल अधिकारी (सीओ) सोनू भगत की आंख में गंभीर चोट आई। सीओ भगत ने बताया कि अचानक पथर उनके चेहरे पर लगा, जिससे चश्मा टूट गया और आंख बुरी तरह जखमी हो गई। पथराव के जवाब में पुलिस ने तुरंत लाठीचार्ज किया, जिससे वहां भगदड़ मच गई। पुलिस ने छात्रों को समाहरणालय परिसर से खदेड़ना शुरू किया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। पटना की तरह ही कटिहार में भी कवरेज कर रहे मीडियाकर्मियों के साथ बदसलूकी की खबरें सामने आईं। पुलिस के सख्त रुवये के बाद छात्र वहां से भाग खड़े हुए। फिलहाल, खबर लिखे जाने तक पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है और स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

शिवपुरी से तोप चोरी : राजस्थान में बांध उड़ाने की साजिश के इनपुट पर ताबड़तोड़ छापेमारी

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में मौजूद प्रसिद्ध और प्राचीन नरवर किले से चोरी हुई ऐतिहासिक तोप के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले की पड़ताल कर रही शिवपुरी पुलिस को पड़ोसी राज्य राजस्थान के करौली से बेहद अहम इनपुट मिले हैं, जिसके आधार पर चोरों की धरपकड़ के लिए राजस्थान सीमा में ताबड़तोड़ छापेमारी हो रही है। इस चोरी के पीछे एक बेहद खतरनाक षड्यन्त्र होने का दावा किया जा रहा है कि कथित तौर पर एक मिश्री के बांध को उड़ाना। यह चेशकीर्मी तोप 15 जुलाई 2026 को नरवर किले से चुराई गई थी, जिसके बाद से ही इतिहास प्रेमियों में भारी आक्रोश था। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। मामले में सबसे हैरान करने वाला खुलासा सुनौ और चर्चों से सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि इस प्राचीन तोप को किसी सामान्य चोरी के इरादे से नहीं, बल्कि एक बड़े मिश्री के बांध को उड़ाने की विधि साजिश के तहत चुराया गया था। हालांकि, प्रशासनिक या पुलिस अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर बांध उड़ाने की थोरी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन इनपुट के बाद मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस दोनों अलर्ट मोड पर आ गई हैं। जांच में साफ हुआ है कि आरोपी तोप चुराने के तुरंत बाद राजस्थान सीमा में ले गए थे। इसके बाद शिवपुरी पुलिस ने तालमेल बिठाकर संयुक्त रणनीति तैयार की और संदेहास्पद ठिकानों पर दौड़ देना शुरू किया है। शिवपुरी जिले के पुलिस अधिकारी ने बताया, राजस्थान पुलिस के सहयोग से सटीक लोकेशन और संदिग्धों पर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही पूरी वारदात का खुलासा कर ऐतिहासिक तोप को सुरक्षित बरामद किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि आरोपियों के बेहद करीब पहुंचा जा चुका है। राजा नल और दमयंती की कथाओं से जुड़े नरवर किले का स्थानपत्य और इतिहास बेहद समृद्ध रहा है। किले से नती भागी-भरकम तोप का चोरी होना और सुरक्षा घेरा तोड़कर राजस्थान तक ले जाना धरोहरों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। फिलहाल, सभी की निगाहें पुलिस के उस खुलासे पर टिकी हैं जो बांध उड़ाने की इस कथित साजिश का पूरा सच सामने लाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने समय उचित नहीं कह टाली ज्ञानवापी मामले की सुनवाई

-सावन में कथित शिवलिंग की पूजा की अनुमति मांगने वाली याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्ञानवापी परिसर में सावन माह के दौरान कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाभिषेक की अनुमति देने संबंधी याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित करते हुए कहा कि फिलहाल ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई का उचित समय नहीं है।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शर्मा जैन ने अदालत को बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने विवादित संरचना से संबंधित अपनी रिपोर्ट अभी तक प्रस्तुत नहीं की है। इस पर सीजेआई ने कहा कि सभी पक्षों को धैर्य रखना चाहिए और पहले से अनेक मामले लंबित हैं। अदालत ने इसके बाद अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित कर दी। न्यायालय में पेश याचिका में हिंदू पक्ष ने मांग की है कि सावन के पवित्र महीने में ज्ञानवापी परिसर के सीलबंद क्षेत्र में स्थित कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाभिषेक की अनुमति दी जाए। ऐसे में अदालत ने उचित समय नहीं होने का हवाला देते हुए



सुनवाई को दो सप्ताह के लिए टाल दिया है। गौरतलब है कि 15 मई 2022 को एडवोकेट कमिश्नर का निगरानी में हुए सर्वेक्षण के दौरान परिसर में एक



संरचना मिलने का दावा किया गया था। हिंदू पक्ष इसे प्राचीन शिवलिंग बताता है, जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना है कि वह वज्रखाने का फव्वारा है। इसके बाद

20 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने विवादित स्थल को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उस हिस्से को सीलबंद रखने का अंतिम आदेश दिया था।

रिजिजू बोले- विपक्ष शर्तें हटाए, सरकार नीट पर चर्चा के लिए तैयार



-एनडीए के सभी दल चर्चा चाहते हैं, विपक्ष शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में नीट परीक्षा और कथित पेपर लीक मामले को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध गुरुवार को भी बना रहा। राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार शुरू से ही नीट मुद्दे पर चर्चा कराने के पक्ष में रही है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी सहयोगी दल भी इस विषय पर सदन में विस्तृत चर्चा चाहते हैं।

रिजिजू ने सदन को बताया कि सरकार की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सहित विपक्ष के अन्य नेताओं से बातचीत की गई, ताकि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चल

सके और नीट मुद्दे पर चर्चा शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार चर्चा की अवधि और स्वरूप तय करने को लेकर लचीला रख अपनाते को तैयार है, लेकिन किसी भी प्रकार की पूर्व शर्त स्वीकार नहीं की जा सकती। संसदीय कार्य मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष चर्चा की मांग तो कर रहा है, लेकिन शर्तें लगाकर उसे टालने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इससे यह संदेश जाता है कि विपक्ष वास्तव में चर्चा नहीं चाहता। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वह अपनी शर्तें वापस लेकर सदन में सार्थक बहस होने दें।

रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक जैसी घटनाओं पर दौघियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक न्यायालयों की व्यवस्था की जा रही है, ताकि दौघियों को जल्द और सख्त सजा मिल सके।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग नहीं मानेगी सरकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने पेपर लीक विवाद पर सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर संसद में विस्तार से चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। विपक्षी दलों और कॉर्पोरेट जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की लगातार की जा रही मांग पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार में इस तरह की कोई बात नहीं हो रही है। उन्होंने विपक्ष से आह्वान किया कि वे संसद में अपनी बात रखें और सरकार हर बिंदु पर तथ्यात्मक जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पत्रकार वार्ता के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल इस मामले को राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए



कहा कि वह पेपर लीक के मुद्दे पर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं और उनका रवैया बेहद सेलेक्टिव है। नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी को कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों द्वारा शासित राज्यों में हुईं पेपर लीक की घटनाओं पर भी बोलना

चाहिए। उन्होंने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि छात्रों के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय सरकार के साथ आए, ताकि देश में इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि पेपर लीक का

विषय जांच के अधीन है और छात्रों के प्रदर्शन को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष चर्चा की अवधि तय करे, सरकार संसद के पटल पर जनता और छात्रों के समक्ष पूरी पारदर्शिता के साथ अपनी बात रखेगी। दूसरी ओर, अर्निश्वरकालीन अनसन पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की मांगों पर भी केंद्रीय मंत्री ने प्रतिक्रिया दी। वांगचुक ने परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों और युवाओं के खिलाफ कोई दंडात्मक या बल्ले की कार्रवाई न करने का आश्वासन मिलने पर अपना अनशन समाप्त करने की बात कही है। इस पर नड्डा ने कहा कि सरकार उनके खुले पत्र का अध्ययन कर रही है और जल्द ही इसका आधिकारिक जवाब दिया जाएगा।

भारत का पाकिस्तान को दो टूक: आतंकवाद के साथ सहयोग असंभव

-जम्मू-कश्मीर पर झूठ नैरेटिव फैलाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान को दो टूक जवाब देकर स्पष्ट किया है कि जब तक सीमा पर आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक उससे किसी सार्थक सहयोग की उम्मीद नहीं हो सकती है। नई दिल्ली ने पाकिस्तान पर सीमा पर आतंकवाद को राज्य नीति के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने और जम्मू-कश्मीर पर झूठ नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत परवथानेनी हरीश ने प्राकृतिक संसाधन

शासन-शांति, सुरक्षा और समृद्धि की नींव विषय पर उच्च स्तरीय खुली बहस के दौरान ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हमेशा से रहा है, है और रहेगा और इसकी स्थिति संवैधानिक व कानूनी रूप से स्थापित है। राजदूत हरीश ने बताया कि भारत का इरादा द्विपक्षीय मुद्दों को उठाने का नहीं था, लेकिन पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच का दुरुपयोग कर झूठी कहानी गढ़ने के बाद भारत को जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित एकमात्र अनुसुलझा मुद्दा उन क्षेत्रों से जुड़ा है जिन पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। यह संवैधानिक और कानूनी

वास्तविकता है जिसे पाकिस्तान जानबूझकर नजरअंदाज करता है।

सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) पर भारत के रुख को साफ करते हुए राजदूत हरीश ने स्पष्ट संदेश दिया कि आपसी विश्वास और सद्भावना के आधार पर सहयोग की उम्मीद तब तक नहीं की जा सकती जब तक सीमा पर आतंकवाद को राज्य नीति के उपकरण के रूप में नियमित रूप से इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने जोर दिया कि सीमा पर आतंकी गतिविधियों के साथ विश्वास और सद्भावना नहीं रह सकती। यह बयान आतंकवाद और द्विपक्षीय संबंधों को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच जारी तनाव के बीच आया है।



विवाद के बाद सेना प्रमुख के दफ्तर से हटाई गई नई पेंटिंग , अब लगा सेना का प्रतीक चिह्न

गई नई पेंटिंग , अब लगा सेना का प्रतीक चिह्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख के साउथ ब्लॉक स्थित कार्यालय (लाउज) के बैकड्रॉप में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। पिछले कुछ समय से सैन्य दिग्गजों के बीच विवाद का कारण बनी पेंटिंग को वहां से हटा दिया गया है। आगामी 135वें ब्रंडेड कप फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर जारी सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के एक वीडियो संदेश में यह बदलाव देखा गया। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि उनके कार्यालय की लकड़ी के पैनल वाली दीवार पर अब उस विवादित पेंटिंग की जगह भारतीय सेना का प्रतीक चिह्न स्थापित कर दिया गया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ था जब दिसंबर 2024 में सेना प्रमुख के लाउज से 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में ढाका में हुए ऐतिहासिक संरेख वाली पेंटिंग को हटाकर एक नई कलाकृति लगा दी गई थी। हटाई गई पुरानी पेंटिंग में पाकिस्तानी जनरल ए.ए.के. नियाजी को आत्मसमर्पण के दस्तावेजों पर



हस्ताक्षर करते हुए दिखाया गया था। इसकी जगह जो नई पेंटिंग लगाई गई थी, उसमें पूर्व लड़ाइय में पैंगोंन झील के किनारे सेना के टैंक, आसमान में हथियारबंद हेलिकॉप्टर, थ्रु हॉकरों भगवान कृष्ण और एलएसी की ओर इशारा करते चाणक्य की चित्रित किया गया था। भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे गौरवशाली युद्ध को दर्शाने वाली तस्वीर को हटाए जाने पर कई पूर्व सैन्य अधिकारियों ने कड़ा

एतराज बताया था।

विवाद बढ़ने के बाद, 1971 के संरेख वाली मूल पेंटिंग को दिल्ली कैंट स्थित मानेकशां सेक्टर में स्थानांतरित कर दिया गया था। उस समय तक दिया गया था कि सेना प्रमुख के दफ्तर को वहां से हटा दिया जाने में मानेकशां सेक्टर में तीनों सेनाओं के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम होते हैं, जिससे अधिक से अधिक लोग और विदेशी मेहमान उस ऐतिहासिक धरोहर को दीदार कर सकेंगे। हालांकि, अब विवादित पेंटिंग को भी हटाकर वहां केवल भारतीय सेना का आधिकारिक प्रतीक चिह्न लगाने के फैसले का पूर्व सैन्य अधिकारियों ने खुलकर स्वागत किया है। पूर्व नॉर्डन आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) एच.एस. पनाग सहित कई दिग्गजों ने इस कदम की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि यह बदलाव भविष्य में 1971 के ऐतिहासिक आत्मसमर्पण वाली पेंटिंग को पुनः उसी स्थान पर सम्मानपूर्वक वापस लाने की दिशा में पहला कदम साबित होगा।

सोशल मीडिया की लोकप्रियता सफलता का पैमाना नहीं: सीजेआई



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कानूनी न्याय से जुड़े युवाओं को सोशल मीडिया और ऑनलाइन विजिबिलिटी को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली लोकप्रियता या ध्यान आकर्षित करने को किसी वकील को अपनी वास्तविक क्षमता और एलएसी की ओर इशारा करते चाणक्य की चित्रित किया गया था। भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे गौरवशाली युद्ध को दर्शाने वाली तस्वीर को हटाए जाने पर कई पूर्व सैन्य अधिकारियों ने कड़ा

एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीओओआर) द्वारा 2025 बैच के नए एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड (एओआर) वकीलों के सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया के माध्यम से चर्चित होना और ध्यान खींचना बेहद आसान है, लेकिन यह कभी भी अदालत की विश्वसनीयता का स्थान नहीं ले सकता। वकीलों को टीवी चैनलों की तरह टीआरपी के पीछे भागने और अपनी सफलता को ऑनलाइन लोकप्रियता से मापने के लालच से बचना चाहिए। उन्होंने युवा वकीलों को करियर के शुरुआती दिनों में बड़ी लॉ फर्म खोलने के बजाय अपनी वकालत की

कला को निखारने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिग्रियां और पद केवल अक्सर का दरवाजा खोलते हैं, लेकिन एक सफल करियर काम की गुणवत्ता से ही बनता है।

अपने शुरुआती करियर के अनुभवों को साझा करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि याचिकाओं और कानूनी दस्तावेजों की बेहतर ड्राफ्टिंग ही इस वकालत की आत्मा है। उन्होंने युवा वकीलों से प्रत्येक याचिका को एक ऐसे प्रभावशाली आख्यान के रूप में तैयार करने का आग्रह किया कि जज शुरु से अंत तक उससे जुड़े रहे। इसके साथ ही, सीजेआई ने कानूनी ड्राफ्टिंग में ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)

के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि एआई केवल शोध और संदर्भ का एक साधन हो सकता है, लेकिन यह कभी भी वकील की अपनी समझ और मानवीय बुद्धि का विकल्प नहीं बन सकता। मुक्किल आपना मामला एक इंसान को सौंपता है, मशीन को नहीं। एआई को केवल एक कार्यालय सहायक के रूप में रखें और अपनी सोचने-समझने की क्षमता पर हावी न होने दें। अंत में उन्होंने वकीलों से पूरी ईमानदारी के साथ गरीब और वंचित वर्ग के मुक्किलों को कानूनी सहायता (लीगल एड) प्रदान करने की अपील की की।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में झामुमो का आक्रोश मार्च, केंद्र सरकार का फूँका पुतला

नीट-2026 और सीबीएसई मार्किंग विवाद को लेकर जताया विरोध, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

बिशा संवाददाता
साहेबगंज। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष अरुण सिंह के नेतृत्व में साहेबगंज में आक्रोश मार्च निकाला। कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुए साहेबगंज स्टेशन चौक पहुंचे, जहां केंद्र सरकार का पुतला दहन कर विरोध-प्रदर्शन किया। वहीं प्रदर्शन के दौरान झामुमो नेताओं ने कहा कि छात्र केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तथा नीट - 2026 और सीबीएसई की मार्किंग में कथित अनियमितताओं के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप लगाया गया कि आंदोलन को दबाने के लिए छात्रों पर बल प्रयोग



किया गया, जिसकी पार्टी कड़ी निंदा करती है। वहीं जिलाध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में

लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार और शिक्षा के मुद्दों पर केंद्र सरकार युवाओं की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है। साथ ही

उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार तानाशाही तरीके से उन्हें डरा-धमकाकर मार-पीट कर छात्रों के आंदोलन को समाप्त करना चाहती है। भाजपा ने केंद्र की सत्ता में बैठने के लिए हर वर्ष 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन नई नौकरी देने के बजाय हर बार पेपर लीक का मामला सामने आ जाता है। वहीं जिला उपाध्यक्ष सह केंद्रीय समिति सदस्य संजीव शामू हेंब्रम, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा समेत अन्य नेताओं ने भी संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और छात्रों की मांगों पर

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष भजीजे ने कुल्हाड़ी से मारकर चाची किया हत्या



बिशा संवाददाता
साहेबगंज। तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बरमसिया गांव में गुरुवार शाम जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। जहां भतीजे ने अपनी बुजुर्ग चाची रासो मुनी मुर्मु की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। इधर घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार रासो मुनी मुर्मु अपने घर के आंगन में खाना खा रही थीं। इसी दौरान उनके दिवंगत पति होपा मरांडी का भतीजा धनु मरांडी वहां पहुंचा और अचानक कुल्हाड़ी से उनके सिर व कान के पास ताबड़तोड़ वार कर दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर घटना की सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे, एसआई शाहिद अहमद खान और एसएसआई उमेश उपाध्याय दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए

संक्षिप्त खबरें

झाड़विंग लाइसेंस शिविर में 66 लोगों का आवेदन स्वीकृत
उधवा(बिशा)। साहबगंज एसडीओ सह प्रभारी जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन के निदेशानुसार उधवा प्रखंड मुख्यालय में झाड़विंग लाइसेंस बनवाने को लेकर दो दिवसीय विशेष शिविर गुरुवार को समाप्त हो गया। जानकारी के अनुसार शिविर में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। शिविर में स्लॉट बुक नहीं होने से अनेकों लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। शिविर में प्रतिनियुक्त कर्मी के अनुसार एक दिन में 150 आवेदकों का स्लॉट बुक होता है। जिस कारण अनेकों आवेदकों को लौटना पड़ा। बताया कि शिविर में 150 आवेदकों का स्लॉट बुक हुआ था। जिसमें 122 आवेदक शिविर में पहुंचे। दस्तावेजों की जांच व अन्य प्रक्रिया के बाद 66 आवेदकों के आवेदन स्वीकृत किया गया। मौके पर ऑपरेटर सुमित व सुरक्षा कर्मी सहित अन्य मौजूद थे।



तेज रफतार ट्रैक्टर की टक्कर से प्लस टू का छात्र गंभीर, बेहतर इलाज के लिए रेफर

तालझारी (बिशा)। तालझारी थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर तेज रफतार अज्ञात ट्रैक्टर का बाइक से प्लस टू का एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार प्लस टू उत्कर्मित कन्या उच्च विद्यालय तालझारी का छात्र मंगल तुरी (16), पिता रामदास तुरी निपनिया निवासी गुरुवार करीब 12:30 बजे विद्यालय से बाटा रोड होते हुए शहीद चौक की ओर नाश्ता करने जा रहा था। इसी दौरान तालझारी की ओर आर रहे तेज रफतार अज्ञात ट्रैक्टर ने बाटा रोड के समीप जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घटना के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। इधर घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल छात्र को उठा कर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी पहुंचाया। जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार की देखरेख में डॉ. पिकू चौधरी ने छात्र का प्राथमिक उपचार किया। वहीं चिकित्सकों के अनुसार, छात्र के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हुआ है। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इधर घटना सूचना मिलने पर सड़क सुरक्षा योद्धा प्रजापति प्रकाश बाबा भी अस्पताल पहुंचे और इलाज की व्यवस्था में सहयोग किया।



ईद मिलाद-उन-नबी पर तैयारी को लेकर बैठक आयोजित



बिशा संवाददाता
उधवा। उधवा प्रखंड क्षेत्र के पतौड़ा पंचायत अंगरंग दरगाहडंगा पीर मजार में आगामी 26 अगस्त को मनाए जाने वाले ईद मिलादुनबी के तैयारी को लेकर गुरुवार को मदरसा पीर बाबा बरउद्दीन कादरी ट्रस्ट परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुफ्ती मुमताज हुसैन ने किया। बैठक में ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर निकलने वाले जुलूस, साफ- सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन व आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान मुफ्ती मुमताज हुसैन ने सभी लोगों से आपसी सहयोग एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की। साथ ही आयोजन को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के

लिए सभी से सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया। उन्होंने सभी लोगों से प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की। कहा कि यह त्योहार इस्लामी कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-उल- अव्वल की 12वीं तारीख को पैगंबर हजरत मुहम्मद के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मस्जिदों को सजाया जाता है। जुलूस निकाले जाते हैं और पैगंबर की शिक्षाओं को याद किया जाता है। मौके पर मसउद आलम, डॉक्टर सफीकुल आलम, मौलाना फारूख सम्सी, हाफिज सईद, मुफ्ती मुमताज हुसैन, मौलाना अब्दुल खालिक, एखलाकुर रहमान, हाफिज ताजामुल, नुरूल हक, सबीर आलम, इलियास शेख, तोहोद हसन सहित अन्य मौजूद थे।

किसानों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए सभी विभाग समन्वय से करें कार्य : उपायुक्त



बिशा संवाददाता
साहेबगंज। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में कृषि, आत्मा, सहकारिता, उद्यान, पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित का निर्देश दिया। वहीं कृषि विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले में उर्वरक प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सखन निरीक्षण अभियान जारी है। अब तक 21 प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया है, जिनमें अनियमितता पाए जाने पर छह दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उपायुक्त ने दोषी प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही किसानों को संतुलित एवं अनुशसित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया गया। साथ ही बैठक में बताया गया कि जुलाई माह में जिले में सामान्य 289.90 मिमी के

मुकाबले 291.77 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में कम पानी में तैयार होने वाली फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। वहीं खरीफ 2026-27 के तहत 50 प्रतिशत अनुदान पर प्रमाणित धान बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। एमटीयू- 7029 किस्म के 530 किंवटल बीज की आपूर्ति में से 498 किंवटल बीज 585 किसानों के बीच वितरित किया जा चुका है। वहीं बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत मूंग, मक्का और रागी के बीजों का भी वितरण जारी है। वहीं जिले में ब्लॉकचेन प्रणाली के माध्यम से किसानों का निबंधन किया जा रहा है। अब तक 67,430 किसानों का पंजीकरण पूरा हो चुका है। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के तहत 1,737 आवेदन बैंकों को भेजे गए, जिनमें 1,732 आवेदन स्वीकृत कर किसानों को 12.48 करोड़ रुपये से अधिक का कृषि ऋण उपलब्ध कराया गया है। साथ ही 20,094 ऋणी किसानों में से 13,760 का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है। वहीं उद्यान विभाग की समीक्षा में मधुमक्खी पालन योजना के तहत 480 मधुमक्खी

नशामुक्ति व कानूनी जागरूकता पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

साहेबगंज(बिशा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज की ओर से झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष अखिल कुमार के मार्गदर्शन में चल रहे 90 दिवसीय कानूनी जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को केसटूबा विद्यालय, साहेबगंज में छात्राओं के बीच रनशामुक्ति विषय पर निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में नशामुक्त समाज के निर्माण, कानूनी जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता विकसित करना था। प्रतियोगिता में छात्राओं ने नशामुक्ति, बाल अधिकार और मानव तस्करी जैसे विषयों पर अपने विचार और रचनात्मक प्रतिभा का प्रभाव प्रदर्शन किया।



एसबीआई के सभी सीएसपी में 27 जुलाई को लगेगा केवाईसी शिविर

उधवा (बिशा)। भारतीय स्टेट बैंक उधवा शाखा के द्वारा खाताधारकों की सुविधा के लिए आगामी 27 जुलाई को उधवा प्रखंड में संचालित एसबीआई के सभी कस्टमर सर्विस प्वाइंट यांनी सीएसपी में एक दिवसीय केवाईसी शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी एसबीआई शाखा उधवा के शाखा प्रबंधक अजीत सुमन ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य उन खाताधारकों का केवाईसी अपडेट करना है। जिनका केवाईसी अभी तक पूरा नहीं हुआ है। शाखा प्रबंधक ने कहा कि आरबीआई के नियमों के अनुसार बैंक खातों का समय-समय पर केवाईसी कराना अनिवार्य है। जिन खातों में केवाईसी अपडेट नहीं होगा। उनका संचालन आगे चलकर बाधित हो सकता है। इसलिए सभी खाताधारकों से अपील है कि वे 27 जुलाई को अपने नजदीकी सीएसपी पर जाकर केवाईसी जरूर करा लें। ताकि खाते का संचालन सुचारु रूप से जारी रहें।

परीक्षा गड़बड़ियों और छात्रों के समर्थन में कांग्रेस का धरना- प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन
विपक्ष की आवाज दबाना लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ : बरकतुल्लाह



बिशा संवाददाता
साहेबगंज। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर गुरुवार को साहेबगंज जिला कांग्रेस कमिटी ने साहेबगंज स्टेशन चौक पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, छात्रों के साथ हुए अन्याय तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा और कांग्रेस सांसदों के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया। साथ ही कार्यक्रम के बाद उपायुक्त के नाम प्रत्येक से राष्ट्रपति के नाम देने के बजाय दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है। वहीं प्रदेश कोऑर्डिनेशन कमिटी के सदस्य अनुकूल मिश्रा ने कहा



कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन सरकार इस मोर्चे पर विफल रही है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। वहीं जिला उपाध्यक्ष मो. कलीमुद्दीन ने कहा कि कांग्रेस छात्रों की न्यायपूर्ण मांगों के समर्थन में हमेशा खड़ी रहेगी। वहीं, जिला महासचिव सरफराज आलम ने कहा कि यह

आंदोलन उन सभी परिवारों की लड़ाई है जिनके बच्चे ईमानदारी से मेहनत कर अपने भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं। वहीं ज्ञापन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, परीक्षा अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई, छात्रों एवं शांतिपूर्ण कार्रवाइयों पर दर्ज सभी एफआईआर और आपराधिक मामलों की वापसी तथा छात्रों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। मौके पर अनुकूल मिश्रा, हीरालाल साह, मो. कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव, उमेश पांडे, मो. मुरसलीन खान, सुनील कुमार पासवान, अनिल पांडे, कज्जाफी बिन मुश्राफ, सहाय हुसैन, शौकत अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व रेलवे
ई-नीलामी सामंजस्य सूचना
आसनसोल मंडल के तहत वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए सविदाएं प्रदान करना

ई-नीलामी सूचना सं.: एसएसएन-एडीबीटी-05-08 दिनांक 20.07.2026
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल-713301 द्वारा सविदाएं प्रदान करने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in के मार्फत आईआरआईएस पोर्टल के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है: **● सूचीपत्र सं.: एसएसएन-एडीबीटी-05-08। नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय: 05.08.2026 को 12.00 बजे। सिक्क्वेंस सं.: लॉट सं.: विवरण: एए/1; एडीबीटी-एसएसएन-सीएसएन-ओएच-184-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); एमडीबीटीआई/भूमी, धनबाद में गेट सं. 1 से 4 तक सैलम स्केच प्लान के अनुसार वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए सविदा प्रदान करना, कुल क्षेत्रफल: 4649.40 वर्ग फीट (लंबाई-664.2 फीट एवं ऊंचाई-7 फीट)। एए/2; एडीबीटी-एसएसएन-डीजीआर-ओएच-147-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); दुर्गापुर उत्तर की ओर (बाजार छोड़) में विज्ञापन के लिए सविदा प्रदान करना, कुल क्षेत्रफल: 600 वर्ग फीट (20 फीट x 10 फीट आकार की 03 होडिंग)। एए/3; एडीबीटी-एसएसएन-एसएसएन-ओएच-188-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); 13 नं. मॉड से आसनसोल रेलवे स्टेशन रोड की ओर सड़क की बाईं तरफ स्केच प्लान के अनुसार 20 फीट x 10 फीट आकार की तीन होडिंगों के प्रदर्शन के लिए सविदा प्रदान करना। कुल क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट तीन वर्षों की अवधि के लिए। मीडिया: नॉन डिजिटल/हॉटिंग फ्रंट लिट/बैंक लिट। एबी/1; एडीबीटी-एसएसएन-एसएसएन-117-26-2 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); आरडीएन नॉटि के अधीन जसीडोह के स्टेशन के भीतर ग्लो साइन/बैकलिट बोर्ड (क्षेत्रफल 780 वर्ग फीट) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के लिए सविदा प्रदान करना। सविदा की आवधि तीन वर्ष)। एबी/2; एडीबीटी-एसएसएन-एसएसएन-ओएसएसएन-164-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)); आसनसोल जंक्शन के प्लेटफॉर्म 7 के प्रवेश द्वार के निकट नॉन-लिट मीडिया यानी फ्लेक्स, हॉडिंग तथा अन्य नॉन-लिट मीडिया टाइप के रूप में विज्ञापन के लिए सविदा प्रदान करना। क्षेत्रफल 300 वर्ग फीट। एबी/3; एडीबीटी-एसएसएन-पीएडब्ल्यू-ओएसएसएन-128-24-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); पोंडवेधर स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर तथा शेड के नीचे विज्ञापन के लिए सविदा प्रदान करना। (कुल क्षेत्रफल-480 वर्ग फीट)। एबी/4; एडीबीटी-एसएसएन-डीयूपएमके-आएसएसएन-116-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)); आरडीएन नॉटि के अधीन दुमका के स्टेशन के भीतर ग्लो साइन/बैकलिट बोर्ड (क्षेत्रफल 300 वर्ग फीट) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के लिए सविदा प्रदान करना। सविदा की आवधि तीन वर्ष)। एबी/5; एडीबीटी-एसएसएन-पीएडब्ल्यू-ओएसएसएन-136-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)); जामताड़ा स्टेशन के भीतर नॉन-डिजिटल लिट बोर्ड (क्षेत्रफल 300 वर्ग फीट) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के लिए सविदा प्रदान करना। (i) ब्रुकिंग कार्यालय शेड के सामने एवं रेलवे के अनुसार संभावित अन्य क्षेत्रों में कुल क्षेत्रफल-200 वर्ग फीट, (ii) विभिन्न आकार की होडिंगों के जरिए वाणिज्यिक विज्ञापन कुल क्षेत्रफल-200 वर्ग फीट के लिए सविदा प्रदान करना। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सम्पूर्ण विवरण तथा अनुसूची के अनुसार ऊपर उल्लेखित ई-नीलामी में भाग लेने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखने की सलाह दी जाती है। (ASN-190/2026-27)**

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं। हमें अनुसरण करें: [@EasternRailway](https://twitter.com/EasternRailway) [@easternrailwayheadquarter](https://facebook.com/easternrailwayheadquarter)

अफगानिस्तान को मिला नया कप्तान

गुरबाज को भी अहम जिम्मेदारी; 55 में से 27 ODI जीत दिला ने वाले शाहिदी का युग समाप्त

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम हाल ही में भारत के खिलाफ 3-0 से वनडे सीरीज हारकर गई थी। इस सीरीज में हार के कुछ दिन बाद ही अफगान टीम के वनडे व टेस्ट कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कप्तानी छोड़ दी थी। अब उनकी जगह अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार (22 जुलाई 2026) को वनडे व टेस्ट टीम के नए कप्तान का ऐलान किया है। राशिद खान को यह जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है और रहमत शाह नए कप्तान बन गए हैं। हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी अच्छा रहा। टीम ने इस दौरान अपना प्रदर्शन भी सुधारा। इसमें 2023 वनडे वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम का खेलना और कई शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं।

अगले साल होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के महेनजर शाहिदी ने यह पद छोड़ने का फैसला किया था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कप्तान का ऐलान करते हुए शाहिदी का शुक्रिया भी अदा किया और कहा, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड हशमतुल्लाह शाहिदी द्वारा टीम के लिए दी गई उपयोगी सेवाओं की सराहना करता है। साथ ही बोर्ड रहम शाह जुरमाती को अपने नए रोल और अपने वाली चुनौती के लिए शुभकामनाएं देता है।

गुरबाज को बनाया गया उपकप्तान

रहमत शाह मई 2021 से अफगान टीम के उपकप्तान थे। वहीं वह टेस्ट और वनडे में अफगानिस्तान के लीडिंग रन स्कोर भी हैं। शाह को कप्तान तो विकेटकीपर बल्लेबाज रहमतुल्लाह गुरबाज को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का वनडे और टेस्ट का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। शाह और गुरबाज की बतौर लीडर्स अगली सीरीज आयरलैंड के खिलाफ होगी जहां पांच वनडे मुकाबले खेले जाएंगे।

इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया

मियामी, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन में शानदार वापसी करते हुए शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हराया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इंटर मियामी की इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज रहे, जिन्होंने मुकाबले में दो गोल दागे। वहीं, युवा खिलाड़ी प्रेस्टन प्लेम्बेक ने भी एक महत्वपूर्ण गोल करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिकागो फायर के खिलाफ इस मुकाबले में सुआरेज ने अपने करियर की दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने इंटर मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 100 मैच पूरे किए और क्लब के लिए 50 गोल करने का आंकड़ा भी पार किया। वह इंटर मियामी के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। शिकागो फायर के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही और 18वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त बना ली। शिकागो को यह बढ़त इंटर मियामी के एक खिलाड़ी द्वारा किए गए अपने ही गोल की बदौलत मिली। इसके बाद इंटर मियामी ने मैच में वापसी की शुरुआत की।



चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स:

अर्जुन एरिगैसी से खेला ड्रॉ

अलीरेजा फिरोजा ने जीता चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली , एजेंसी। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने अंतिम दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ ड्रॉ खेलकर 4.5 अंकों के साथ चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह 2 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रहे।

अंतिम दौर में ड्रॉ से पक्की की जीत

टूर्नामेंट के आखिरी राउंड से पहले फिरोजा 4 अंक के साथ शीर्ष पर थे और उनके पास अर्जुन एरिगैसी तथा उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसतोरोव पर आधे अंक की बढ़त थी। ऐसे में खिताब जीतने के लिए उन्हें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी। उन्होंने अर्जुन के खिलाफ 41 चालों में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर 4.5 अंकों के साथ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अब्दुसतोरोव की हार ने आसान किया रास्ता

दूसरी ओर, काले मोहरों से जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में बने रहने की कोशिश कर रहे नोदिरबेक अब्दुसतोरोव को रूस के दिमित्रि आंद्रेइकिन ने 37 चालों में मात दी। इस हार के बाद फिरोजा के लिए ड्रॉ ही खिताब सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त था।

आंद्रेइकिन और अर्जुन संयुक्त दूसरे स्थान पर

दिमित्रि आंद्रेइकिन ने अंतिम दौर में जीत के साथ 4 अंक हासिल किए और भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं नोदिरबेक अब्दुसतोरोव, निहाल सरीन और एम. प्रणेश 3.5-3.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर रहे।

25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

फिरोजा ने पूरे टूर्नामेंट में दो मुकाबले जीते और बाकी पांच ड्रॉ खेले। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 4.5 अंक जुटाए और चैंपियन बनने के साथ 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी अपने नाम की।

इंड कप की ट्रॉफियां कोलकाता पहुंचीं:

25 जुलाई से शुरू होगा 135वां संस्करण

कोलकाता, एजेंसी। इंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारतीय क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जयंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे। एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट इंड कप के 135वें संस्करण का काउंटडाउन शुरू हो गया है। टूर्नामेंट की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां बुधवार को ट्रॉफी टूर के तहत कोलकाता पहुंचीं। इसके साथ ही पांचों मेजबान राज्यों की यात्रा पूरी हो गई। कोलकाता में आयोजित समारोह में पश्चिम बंगाल सरकार के युवा सेवा एवं खेल तथा उपभोक्ता मामलों के विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. इंद्रील खान ने ट्रॉफियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ और इंड कप आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह समेत सेना और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारतीय क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जयंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे। कोलकाता में उद्घाटन मुकाबले के अलावा गुप ए और बी के मैच, एक

क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल समेत कुल 16 मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल 23 अगस्त को होगा। मंत्री डॉ. इंद्रील खान ने कहा कि कोलकाता के लिए 16 मुकाबलों की मेजबानी गर्व की बात है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के फुटबॉल प्रेमियों से उद्घाटन मुकाबले से लेकर फाइनल तक स्टेडियम पहुंचकर भारतीय खिलाड़ियों और टीमों का उत्साह बढ़ाने की अपील की।

आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह ने कहा कि इंड कप भारतीय सेना के सबसे महत्वपूर्ण खेल आयोजनों में से एक है और यह सैन्य-नागरिक साझेदारी का बेहतरीन उदाहरण है। वहीं, बंगाल सब एरिया के जीओसी और आयोजन समिति के उपाध्यक्ष मेजर जनरल दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वी कमान के अधीन इंड कप का विस्तार 2032 तक होना टूर्नामेंट की बढ़ती लोकप्रियता और सफलता को दर्शाता है।

इस बार टूर्नामेंट में 24 टीमों हिस्सा लेंगी, जिनमें श्रीलंकाई सशस्त्र बलों की एक विदेशी टीम भी शामिल है। कुल 43 मुकाबले पांच मेजबान शहरों-कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, शिलांग और इम्फाल में छह मैदानों पर खेले जाएंगे। 1888 में शुरू हुआ इंड कप दुनिया की तीसरी सबसे पुरानी सक्रिय फुटबॉल प्रतियोगिता है।

जेनेराली ओपन: क्वॉटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और

मारियानो नवोन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

किट्जबुहेल, एजेंसी। ऑस्ट्रिया के किट्जबुहेल में खेले जा रहे जेनेराली ओपन एटीपी टूर्नामेंट में बुधवार का दिन बड़े उलटफेरों के नाम रहा। क्वॉटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और मारियानो नवोन ने अपने-अपने मुकाबलों में वरीय खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इन नतीजों के बाद टूर्नामेंट के अंतिम आठ खिलाड़ियों के मुकाबले और भी रोमांचक हो गए हैं। फ्रांस के क्वॉटिन हैलिस ने दूसरे वरीय वैलेंटिन कचेरोट को 6-3, 6-4 से हराकर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर किया।

29 वर्षीय हैलिस पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, और उन्होंने पूरे मैच में शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भी सफलतापूर्वक बचाया और टॉप-20 रैंकिंग वाले खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ हैलिस अपने करियर के चौथे एटीपी टूर क्ले-कोर्ट क्वार्टर फाइनल और कुल नौवें टूर-स्तरीय क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जीत के बाद हैलिस ने कहा कि यह इस साल उनके सर्वश्रेष्ठ मुकाबलों में से एक था। उन्होंने कहा कि उनकी सर्विस बेहतरीन रही और वह पहले से आखिरी अंक तक पूरी तरह फोकस में रहे। उन्होंने लगातार लंबी रैलियां खेलीं और अपने

प्रतिद्वंद्वी को कठिन शॉट खेलने के लिए मजबूर किया। कचेरोट के लिए यह मुकाबला वापसी की राह में एक और चुनौती साबित हुआ। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी मई में पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण रोलॉ गेरो से हट गए थे और यह उनकी वापसी के बाद केवल दूसरा टूर्नामेंट था। दूसरी ओर, हैलिस ने अब तक किट्जबुहेल में एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना अजेंटीना के मारियानो नवोन से होगा। मारियानो नवोन ने छठी वरीयता प्राप्त जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-0, 6-3 से हराकर शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अप्रैल में बुखारेस्ट में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीतने वाले नवोन इस सप्ताह भी बिना कोई सेट गंवाए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज नवोन ने इस सीजन 18 टूर-स्तरीय मुकाबले जीत लिए हैं, जो उनके पिछले दो सत्रों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी है। पूर्व चैंपियन सेबेस्टियन बाएज ने भी अपनी क्ले-कोर्ट विशेषज्ञता का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त आर्थर रैंडक्रनेच को दो घंटे 27 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7-

6(6), 2-6, 6-4 से हराया। बाएज के सात एटीपी खिताबों में से छह क्ले कोर्ट पर आए हैं, जिनमें 2023 का किट्जबुहेल खिताब भी शामिल है। अब उनका सामना जर्मनी के यानिक हनफमैन से होगा, जिन्होंने मार्को ट्रुगेल्टी को 6-4, 7-6(2) से हराया। अन्य मुकाबलों में पांचवीं वरीयता प्राप्त इग्नार्सियो ब्यूस ने एक सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्विट्जरलैंड के क्वालीफायर किलियन फेल्डबॉश को 2-6, 6-2, 6-2 से हराया। वहीं चौथी वरीयता प्राप्त टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने घरेलू खिलाड़ी और क्वालीफायर जुरिज रोडियोनोव को 6-2, 7-6(4) से मात देकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

टीम इंडिया में नहीं मिला मौका...

अब इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलेंगे कुलदीप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को आयरलैंड दौरे पर टी20 सीरीज में 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी। फिर इंग्लैंड टूर पर भी टीम इंडिया का बुरा हाल हुआ था। इंग्लैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत को 0-4 से हराया। फिर तीन मैचों की वनडे सीरीज भी इंग्लिश टीम ने 2-1 से अपने नाम की। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में स्पिनर कुलदीप यादव भी भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन वो तीनों मैचों में बेंच पर ही बैठे रहे। कुलदीप आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टी20 टीम का पार्ट नहीं थे, लेकिन वनडे सीरीज के दौरान टीम में रहने के बावजूद उन्हें बाहर रखा चौकाने वाला रहा। अब कुलदीप अब इंग्लैंड में नई शुरुआत करने जा रहे हैं।

कुलदीप ने प्रतिष्ठित काउंटी क्लब यॉर्कशायर के साथ अनुबंध किया है। क्लब ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। कुलदीप यादव 24 जुलाई से 2 अगस्त तक यॉर्कशायर के लिए वन-डे कप के पांच मुकाबले खेलेंगे। इसके बाद वह भारत की दो टेस्ट मैचों की श्रीलंका सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे। श्रीलंका दौरा खत्म होने के बाद वह फिर इंग्लैंड लौटेंगे और यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैंपियनशिप के अंतिम तीन मुकाबलों में भी खेलेंगे।

तथा नीरज नहीं जीतेंगे कॉमनवेल्थ गोल्ड

ऑलिंपिक और खेल संघों की इंटरनल रिपोर्ट- भारत 28 साल में सबसे कमजोर प्रदर्शन कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के सामने 28 साल में अपने सबसे कमजोर प्रदर्शन का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय ऑलिंपिक संघ और अलग-अलग स्पोर्ट्स फेडरेशन की इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को पैरा स्पोर्ट्स सहित 13 खेलों में 32 पदक मिलने का अनुमान है, जिसमें सिर्फ 7 गोल्ड शामिल हैं। रिपोर्ट में नीरज चोपड़ा को भी गोल्ड का दावेदार नहीं माना गया है। नीरज ने 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। वे ऑलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट भी रहे हैं। जिन सात खिलाड़ियों को गोल्ड का दावेदार माना गया है उनके नाम आप नीचे दी गई तस्वीर में देख सकते हैं।

भारत के मेडल्स कम क्यों आएंगे?

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की सफलता का आधार शूटिंग, कुश्ती और बैडमिंटन जैसे खेल रहे हैं। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पदक जीते हैं। ग्लासगो 2026 के कार्यक्रम में इन तीनों खेलों को शामिल नहीं किया गया है। यही भारत के लिए सबसे बड़ा झटका है। ग्लासगो 2026 में बर्मिंघम 2022 के 19 की तुलना में सिर्फ 10 खेल होंगे। भारत के कई मेडल स्पोर्ट्स शूटिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी, स्क्वैश और क्रिकेट इस बार शामिल नहीं हैं। बर्मिंघम में भारत के 61 में से 30 मेडल इन्हीं खेलों से आए थे। यही वजह है कि इस बार भारत का प्रदर्शन केवल खिलाड़ियों की फॉर्म पर नहीं, बल्कि गेम्स के स्पोर्ट्स प्रोग्राम पर भी निर्भर करेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन की घोषणा

सिडनी, एजेंसी। युवा खिलाड़ी सैम कॉन्स्टास और कैपबेल केलावे को डॉविन में अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दौरे के लिए 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन' में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता भविष्य में टेस्ट मैचों में ओपनिंग करने वाले खिलाड़ियों के तौर पर इन दोनों खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी और दो टेस्ट मैच खेल चुके कर्टिस पैटरसन को भी टीम में जगह मिली है, जिससे पता चलता है कि वे अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर अहम खिलाड़ी हैं। वहीं, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के ऑफ-स्पिनर कोरी रोचिचिओली को भी शामिल किया गया है, ताकि उन्हें भारत के आगामी ऑस्ट्रेलिया ए' और टेस्ट दौरे (जो क्रमशः सितंबर और जनवरी में होने हैं) के लिए तैयार किया जा सके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन बनाम बांग्लादेश टीम इस प्रकार है: कैपबेल केलावे, कैपबेल थॉम्पसन, कोरी रोचिचिओली, हेनो जैकब्स, जेक डोर्न, जेरसिस वाडिया, जोश फिलिप, कर्टिस पैटरसन, सैम कॉन्स्टास, टीग विली, टॉम मेंजीज, टॉम रोजर्स, जेवियर क्रोन, नूह मैकफेडेन।

सदर अस्पताल रांची में बढ़ीं अत्याधुनिक सुविधाएं, उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

बिश्मा संवाददाता

रांची। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सदर अस्पताल रांची में चिकित्सा सुविधाओं को लगातार बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दे रहा है। इसी क्रम में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने गुरुवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सीटी स्कैन, पैथोलॉजी, एमआरआई, शिशु वार्ड, ऑर्थोपेडिक वार्ड, ओपीडी सहित अन्य प्रमुख विभागों का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में दवा उपलब्धता, चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, सफाई, मरीजों की सुविधा और बुनियादी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मरीजों से जाना अस्पताल की व्यवस्था का हाल

उपायुक्त ने अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। मरीजों और परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया।

एक मरीज के परिजन ने कहा, ह्रसदर अस्पताल में इलाज बहुत अच्छा हो रहा है। यहां बड़े निजी अस्पताल जैसी सुविधाएं मिल रही हैं और दवाइयां भी समय पर उपलब्ध हो रही हैं।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने एक बुजुर्ग महिला मरीज से मुलाकात कर उनका हाल जाना और संबंधित चिकित्सक को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं

मुलाकात कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। मरीजों और परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया।

एक मरीज के परिजन ने कहा, ह्रसदर अस्पताल में इलाज बहुत अच्छा हो रहा है। यहां बड़े निजी अस्पताल जैसी सुविधाएं मिल रही हैं और दवाइयां भी समय पर उपलब्ध हो रही हैं।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने एक बुजुर्ग महिला मरीज से मुलाकात कर उनका हाल जाना और संबंधित चिकित्सक को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं

ऑर्थोपेडिक वार्ड में भर्ती एक बच्चे और उसके परिजनों से भी बातचीत की।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त की नजर एक छोटे बच्चे पर पड़ी, जो मोबाइल फोन चला रहा था। उन्होंने बच्चे की मां से बातचीत करते हुए कम उम्र के बच्चों को मोबाइल फोन देने से बचने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि अधिक स्क्रीन समय बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर असर डाल सकता है। इससे आंखों की रेशनी, नौद और एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने

अभिभावकों से बच्चों के साथ अधिक समय बिताने और उन्हें किताबों, खेलकूद तथा प्रकृति से जोड़ने की अपील की।

उपायुक्त ने कहा, ह्रमोबाइल बच्चों का खिलौना नहीं है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उन्हें स्क्रीन से दूर रखना जरूरी है।

सदर अस्पताल रांची में अब मरीजों को कई अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल में 128 स्लाइड सीटी स्कैन, एमआरआई, 24 घंटे अल्ट्रासाउंड और कलर डॉपलर,

डिजिटल एक्स-रे तथा टेलीरेडियोलॉजी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इसके अलावा गंधीर मरीजों के लिए टेली-आईसीयू हब, डायलिसिस सुविधा, ईसीजी, ट्रेडमिल जांच सहित कई अन्य सेवाएं शुरू की गई हैं।

अस्पताल में इकोकार्डियोग्राफी, न्यूरो सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, नर्व कंठक्शन जांच और ईईजी जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

आने वाले समय में कैथ लैब, पीईटी स्कैन, बोन मैरो प्रत्यारोपण, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं और रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू करने की तैयारी है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने बताया कि सदर अस्पताल की सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए हर एक-दो माह में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की जाती है। इसमें नई सुविधाएं शुरू करने और आवश्यक उपकरणों की खरीद पर निर्णय लिया जाता है।

उन्होंने आम लोगों से अपील की कि अस्पताल से जुड़ी किसी भी समस्या की जानकारी जिला प्रशासन को दें, ताकि समय पर समाधान किया जा सके। ज्ञात हो कि सदर अस्पताल रांची को मुस्कान पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

निरीक्षण के दौरान सहायक समाहर्ता आस्था शरण, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, नजारात उप समाहर्ता डॉ. सुदेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय सहित अन्य अधिकारी और चिकित्सक मौजूद रहे।

रांची: नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (एनआईपीएम), रांची चैप्टर के तत्वावधान में आज सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय स्थित नवीन भवन के प्रकाश हॉल में इंटीग्रेटिंग ए.आई. विद एच.आई.ए अर्थात् कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एवं मानवीय बुद्धिमत्ता (ह्यूमन इंटेलिजेंस) के समन्वय विषय पर एक अत्यंत ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सीसीएल के निदेशक हर्ष नाथ मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर एनआईपीएम पूर्वी क्षेत्र के उपाध्यक्ष संजय कुमार ठाकुर ने मुख्य वक्ता एवं समस्त अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया।

कार्यक्रम में सीसीएल के निदेशक हर्ष नाथ मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर एनआईपीएम पूर्वी क्षेत्र के उपाध्यक्ष संजय कुमार ठाकुर ने मुख्य वक्ता एवं समस्त अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया।

दक्षिणी छोटानागपुर पुलिस स्पोर्ट्स मीट 2026 का समापन, रांची बना ओवरऑल चैम्पियन

बिश्मा संवाददाता

रांची : दक्षिणी छोटानागपुर पुलिस स्पोर्ट्स मीट-2026 का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक सह पुलिस महानिरीक्षक,दक्षिणी छोटानागपुर प्रक्षेत्र मनोज कौशिक ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों तथा टीमों को ट्रॉफी, पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति को बधाई दी।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए अपर पुलिस महानिदेशक श्री मनोज कौशिक ने कहा कि एक सशक्त एवं सक्षम पुलिस बल के निर्माण में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेल केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, धैर्य, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता एवं

टीमवर्क की भावना का भी विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की चुनौतीपूर्ण एवं तनावपूर्ण कार्यशैली के बीच इस प्रकार की खेल प्रतियोगितियां पुलिसकर्मियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से ऊर्जावान बनाए रखने के साथ-साथ विभिन्न जिलों के पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों के बीच आपसी समन्वय, सौहार्द एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

दक्षिणी छोटानागपुर पुलिस स्पोर्ट्स मीट-2026 का आयोजन 21 जुलाई 2026 से 23 जुलाई 2026 तक किया गया। प्रतियोगिता के दौरान एथलेटिक्स, हैंडबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी, कबड्डी, वुशू, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, साइक्लिंग, योग, भारोत्तोलन, कराटे, जूडो, जिम्नास्टिक्स, तीरंदाजी, कुश्ती एवं क्रिकेट सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राँची जिला ने ओवरऑल चैम्पियन का खिताब प्राप्त किया। खुंटी जिला द्वितीय तथा गुमला जिला

मतदाता सूची पुनरीक्षण में तेजी लाने के निर्देश, अगले दिन तक 90 फीसदी डिजिटाइजेशन का लक्ष्य

बिश्मा संवाददाता

पाकुड़। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत मतदाता सूची के डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने अधिकारियों को अगले दिन शाम तक 90 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा करने का लक्ष्य दिया है। गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने धीमी प्रगति वाले प्रखंडों में विशेष कार्ययोजना बनाकर काम में तेजी लाने का निर्देश दिया।

समीक्षा बैठक में प्रखंडवार गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन, एएसडीडी सूची, अनमैड मतदाताओं, प्रपत्र वितरण तथा अन्य लंबित मामलों की

तरह शुद्ध और अद्यतन तैयार हो सके। बैठक में एएसडीडी सूची, अनकलेक्टेबल प्रपत्र, अनमैड मतदाताओं और डिजिटाइजेशन की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि शुद्ध और त्रिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र की सबसे मजबूत आधारशिला है।

उत्तर मध्य रेलवे ने तैयार किया सोलर-असिस्टेड पैसेंजर कोच

यात्री परिवहन में हरित ऊर्जा की ओर एक नया प्रयास

बिहान भारत

प्रयागराज : उत्तर मध्य रेलवे ने टिकाऊ और ऊर्जा-कुशल रेल अभियानों की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए पायलट तौर पर सोलर-असिस्टेड (सौर ऊर्जा संचालित) पैसेंजर कोच का निर्माण और कमीशनिंग की है। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह की दूरदर्शी परिकल्पना और प्रयागराज मंडल द्वारा किए गए सफल क्रियान्वयन के तहत इस प्रणाली को 14 जुलाई 2026 को आधिकारिक रूप से कमीशन किया गया। यह अभिनव पहल पारंपरिक रेलवे रोलिंग स्टॉक के साथ आधुनिक नवीकरणीय ऊर्जा तकनीक के एकीकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

पारंपरिक रूप से भारतीय रेल के आईसीएफ पैसेंजर कोचों में बिजली का उत्पादन कोच के नीचे लगे 'एक्सल-ड्रिवन अल्टरनेटर' के माध्यम से किया जाता है। यह अल्टरनेटर, जो कोच के पहियों के एक्सल से बेल्ट व्यवस्था द्वारा यांत्रिक रूप से चलता है, कोच के बैटरी बैंक को चार्ज करता है और यात्रियों की सुविधाओं जैसे पंखे, लाइट और मोबाइल चार्जिंग पॉइंट के लिए बिजली की आपूर्ति करता है। हालांकि इस प्रणाली ने दशकों तक भारतीय रेल को कुशलतापूर्वक सेवा की है, लेकिन यह पूरी तरह से ट्रेन की गति पर निर्भर रहती है और यांत्रिक घर्षण के विद्युत ऊर्जा रूपांतरण के दौरान इसमें ऊर्जा का नुकसान होता है। सोलर-असिस्टेड कोच इस पारंपरिक व्यवस्था में एक प्रगतिशील और पर्यावरण के

अनुकूल सुधार प्रस्तुत करता है। प्रयागराज मंडल द्वारा तैयार किए गए इस पायलट कोच की छत पर लगभग 6.93 किलोवाट पीक क्षमता का उच्च दक्षता वाला सोलर फोटोवोल्टिक सिस्टम लगाया गया है। यह प्रणाली सीधे सूर्य की रोशनी से ऑनबोर्ड स्वच्छ बिजली उत्पन्न करती है और कोच के बैटरी बैंक को चार्ज करने में मदद करती है। दिन भर मिलने वाली सौर ऊर्जा का उपयोग करके यह प्रणाली पारंपरिक एक्सल-ड्रिवन पावर जनरेशन पर निर्भरता को कम करती है, जिससे यांत्रिक घर्षण घटता है और समग्र ऊर्जा उपयोग में सुधार आता है। इसके साथ ही, यह व्यवस्था पारंपरिक चार्जिंग प्रणाली पर भार कम करके ऑनबोर्ड बिजली सेवाओं की विश्वसनीयता बढ़ाती है,